वर्ष : 33 ▸ अंक : 157 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, गुरुवार, 22 अगस्त 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

देश में 16 सांसदों और 135 विधायकों पर क्राइम अगेंस्ट विमेन के मामले दर्ज | एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जारी की रिपोर्ट

जब रक्षक हों भक्षक तो कैसे महफूज़ होंगी बेटियां ?

सांसद-विधायक इसलिए होते हैं, ताकि वे लोगों की बात सरकार तक पहुंचाएं। पब्लिक की सुरक्षा के लिए नीतियां बनाएं। हर कदम पर उनकी मदद करें। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि देश के 151 मौजूदा सांसदों-विधायकों पर महिलाओं के साथ बर्बरता के गंभीर आरोप हैं।

एजेंसी । नई दिल्ली

कोलकाता रेप केस और बदलापुर में बच्चियों के यौन उत्पीड़न केस के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने महिलाओं के खिलाफ क्रिमिनल मामलों वाले नेताओं की रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में 16 सांसदों और 135 विधायकों (कुल 151 जनप्रतिनिधि) पर क्राइम अगेंस्ट विमेन के मामले दर्ज हैं।

पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे ज्यादा

क्राइम अगेंस्ट विमेन के मामलों में पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां के 25 मौजूदा जनप्रतिनिधियों पर ऐसे मामले दर्ज हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश के 21 और ओडिशा के 17 जनप्रतिनिधि महिलाओं से अपराध के केस का सामना कर रहे हैं।

16 जनप्रतिनिधियों पर दुष्कर्म के मुकदमे दर्ज

रिपोर्ट के अनुसार 16 जनप्रतिनिधियों पर IPC के सेक्शन 376 के तहत रेप के मुकदमे दर्ज हैं। इनमें 2 सांसद और 14 विधायक हैं। इसमें एक ही पीड़ित से बार-बार रेप करने जैसे जघन्य मामले भी हैं। अपराध साबित होने पर इन्हें उम्र-कैद तक की सजा हो सकती है।

BJP सांसद-विधायकों पर सबसे ज्यादा मामले

रिपोर्ट तैयार करने के लिए ADR ने साल 2019 से 2024 के बीच के चुनावी हलफनामों की जांच की है। चुनाव आयोग में दाखिल 4693 में से 4809 हलफनामों की पड़ताल के बाद बनाई गई रिपोर्ट से पता चलता है कि BJP के कुल 54 मौजूदा सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले चल रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी के 17 सांसदों और विधायकों पर ऐसे केस दर्ज हैं। BJP और कांग्रेस दोनों के 5-5 जनप्रतिनिधि रेप के आरोपी हैं।

बदलापुर कांड पर अब सियासी बवाल

महाविकास अघाड़ी ने किया महाराष्ट्र बंद का आह्वान

- बदलापुर में इंटरनेट सेवाएं थमीं, स्कूल रहे बंद
- हिंसा के सिलसिले में 72 गिरफ्तार
- 300 लोगों पर केस दर्ज

अमित बृज । बदलापुर/मुंबई

ठाणे जिले के बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शनों के मद्देनजर बुधवार को शहर में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं और अधिकतर स्कूल बंद रहे। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान रेलवे स्टेशन और बदलापुर के अन्य हिस्सों में पथराव की घटनाओं में शहर पुलिस के कम से कम 17 कर्मी और करीब आठ रेलवे पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

समीक्षा के बाद बहाल होंगी इंटरनेट सेवाएं

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुधाकर पठारे ने बताया कि विरोध-प्रदर्शन और हिंसा के मद्देनजर शहर में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि शहर में स्थिति की समीक्षा करने के बाद इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार को शहर के अधिकतर स्कूल बंद रहे।

उपद्रवियों के खिलाफ तीन प्राथमिकी : बदलापुर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने उपद्रवियों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं। उन्होंने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज अलग-अलग स्थानीय अस्पतालों में जारी है। अन्य अपराधियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। सीसीटीवी फुटेज और समाचारों की वीडियो क्लिप देखी जा रही हैं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आयुक्त रवींद्र शिसवे ने बताया कि बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हुई हिंसा के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया : विशेष सरकारी अभियोजक

यौन शोषण मामले में विशेष सरकारी अभियोजक नियुक्त किए गए वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम ने मीडिया से बात करते हुए मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में पुलिस द्वारा की गई अत्यधिक देरी की निंदा की। उन्होंने कहा, यह एक संवेदनशील मामला है। यह शर्मनाक है कि पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शिकायत को क्यों नजरअंदाज किया, इसकी निश्चित ही जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले लोगों को दंडित किया जाएगा। ऐसे मामलों में अगर पुलिस संज्ञान लेने में देरी करती है, तो महत्वपूर्ण सबूत नष्ट हो जाते हैं।

आरोपी की पुलिस हिरासत 26 अगस्त तक बढ़ी : ठाणे। यहां की स्थानीय अदालत ने बुधवार को बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार आरोपी की पुलिस हिरासत 26 अगस्त तक बढ़ा दी। आरोपी को कड़ी सुरक्षा के बीच जिले के कल्याण में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अदालत ने पुलिस हिरासत 26 अगस्त तक बढ़ाने का आदेश दिया। इसके साथ पता चला है कि वकीलों ने आरोपी अक्षय शिंदे का केस लेने से इनकार कर दिया है। कल्याण कोर्ट के वकीलों ने आरोपी के वकीली का पत्र लेने से इनकार कर दिया है।

स्कूल ने मामले को छुपाने की कोशिश की : बाल आयोग प्रमुख

महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुसीबेन शाह ने बुधवार को कहा कि बदलापुर के स्कूल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में पीड़िताओं के माता-पिता की मदद करने के बजाय अपराध को छुपाने की कोशिश की। शाह ने कहा कि दो बच्चियों के कथित यौन शोषण का यह मामला स्पष्ट रूप से पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत आता है। उन्होंने बताया कि घटना का पता चलने के बाद उन्होंने माता-पिता की चिंताओं को लेकर ठाणे जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क किया। शाह ने कहा, जब मैंने स्कूल प्रबंधन से मामले के बारे में पूछा, तो उन्होंने इसे छिपाने की कोशिश की। मैंने उनसे यह भी पूछा कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ पॉक्सो प्रावधान क्यों नहीं लगाए जाने चाहिए। अगर स्कूल प्रबंधन ने पुलिस को तुरंत सूचित किया होता, तो बदलापुर में अराजकता की स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि समस्या इसलिए पैदा हुई क्योंकि अभिभावकों को 11 घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

बदलापुर की घटना पर सुप्रिया सुले ने मांगा फडणवीस का इस्तीफा : राकांपा नेता (एसपी) सुप्रिया सुले ने बदलापुर मामले को लेकर बुधवार को महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा

कि सरकार के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में अपराध बढ़ गए हैं। सुले ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की भी मांग की। फडणवीस के पास गृह मंत्रालय का भी जिम्मा है। सुले ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार तो पार्टियों को तोड़ने में व्यस्त है, लिहाजा उसके पास आम लोगों के लिए समय नहीं है। सुले ने कहा कि महाराष्ट्र में अपराध बढ़ गए हैं और सरकारी आंकड़ों में इसका उल्लेख है। चाहे वह पोर्श मामला हो या राज्य में मादक पदार्थों का केस।

बदलापुर पर विरोध प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को दावा किया कि ठाणे जिले के बदलापुर कस्बे के एक स्कूल की दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में हो रहा प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद राज्य सरकार की छवि खराब करना है। शिंदे ने यह भी कहा कि अधिकतर प्रदर्शनकारी बाहरी थे। शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि घटना पर राजनीति करने वालों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, विरोध राजनीति से प्रेरित था क्योंकि प्रदर्शनकारी स्थानीय निवासी नहीं थे। स्थानीय निवासी जो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे, उन्हें अंगुलियों पर गिना जा सकता है। राज्य के मंत्री गिरीश महाजन ने प्रदर्शनकारियों की सभी मांगें मान लीं लेकिन वे अब भी नरम पड़ने को तैयार नहीं हैं। शिंद ने कहा कि वे सिर्फ सरकार को बदनाम करना चाहते थे। मुख्यमंत्री के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारी तख्तियां लिए हुए थे जिनमें लाडकी बहिन योजना का जिक्र था। यह महिलाओं के लिए महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख वित्तीय सहायता योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा, क्या कोई इस तरह से विरोध करता है? इस योजना के कारण विपक्ष को जो पेट दर्द हो रहा है, वह प्रदर्शन से दिखाई दे रहा है।

आरक्षण में 'बंटवारे' पर बवाल

भारत बंद का यूपी, बिहार, झारखंड, राजस्थान से ओडिशा तक असर

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के कोटे में कोटा से संबंधित एक फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने 21 अगस्त को बंद का ऐलान किया था। कुछ राज्यों में आम जन-जीवन प्रभावित भी हुआ लेकिन ज्यादातर स्थानों पर मिला-जुला असर रहा। बंद के पीछे कई प्रमुख मांगे और समस्याएं थीं, जिसे लोगों के ध्यान में लाने की कोशिश थी। दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में भी इसका मिला-जुला असर रहा। बिहार में कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी देखी गई। राजधानी दिल्ली में भी भारत बंद का असर नहीं दिखा। मसलन, मार्केट एसोसिएशन ने पहले ही इस बंद को लेकर फैसला किया था कि, दिल्ली में मार्केट खुली रहेंगी। हुआ भी ऐसा ही। यहां कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, खारी बावली, नया बाजार, चावड़ी बाजार, सदर बाजार, करोल बाग, कमला नगर, कनॉट प्लेस, लाजपत नगर और सरोजिनी नगर समेत कमोबेश 700 मार्केट खुले रहे।

राजस्थान में दिखा भारत बंद का असर

राजस्थान में कई एससी/एसटी समूहों ने बंद को अपना समर्थन दिया था। भारत बंद की अपील के बाद राजस्थान के जयपुर, दौसा, भरतपुर, गंगापुर सिटी,डीग समेत पाँच ज़िलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई थी।

पंजाब और हरियाणा में भारत बंद का कोई खास असर नहीं दिखा : पंजाब और हरियाणा में भारत बंद की अपील की गई है, लेकिन इसका बहुत ज्यादा प्रभाव देखने को नहीं मिला। सामान्य जनजीवन में कोई बड़ी रुकावट नहीं आई, व्यापारिक गतिविधिया सामान्य रूप से जारी रहीं। सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर कोई खास असर नहीं पड़ा और सड़कें भी सामान्य रूप से खुली रहीं। अधिकांश शैक्षणिक संस्थान और सरकारी कार्यालय भी खुले रहे।

ओडिशा में सड़क और रेल सेवा आंशिक रूप से प्रभावित

ओडिशा में भारत बंद के कारण सड़क और रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुईं। विभिन्न संगठन और राजनीतिक दल अपने-अपने मुद्दों के साथ सड़कों पर उतरे, जिससे कुछ समय के लिए ट्रांसपोर्टेशन प्रभावित हुआ। हालांकि, आम जनजीवन सामान्य रहा और दुकानों और व्यवसायों पर बंद के अपील का कोई खास असर नहीं पड़ा।

यूपी में प्रदर्शन और मार्च, सामान्य जीवन पर खास प्रभाव नहीं : उत्तर प्रदेश में भारत बंद के दौरान प्रदर्शन और मार्च आयोजित किए गए। विभिन्न संगठनों द्वारा अपने-अपने मुद्दों को लेकर सड़कों पर निकाले गए जुलूसों के बावजूद जनजीवन सामान्य रूप से चलता रहा। बाजार और स्कूल- कॉलेज खोलने पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सतर्कता दिखाई और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। कुछ स्थानों पर पुलिस को भीड़ को काबू करते भी देखा गया।

बिहार में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज : बिहार में भारत बंद के दौरान विभिन्न जगहों पर सड़कों और रेल ट्रैकों को रोकने करने की कोशिश की गई। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस टीम ने लाठीचार्ज की, जिसमें कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आई हैं। ट्रैफिक जाम और ट्रेन सेवाओं में रुकावट के चलते आम लोगों को यहां थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

झारखंड में भारत बंद का मिला-जुला असर

झारखंड में एससी-एसटी आरक्षण के मुद्दे पर बुलाए गए भारत बंद का मिला-जुला असर देखा गया। कुछ जिलों में बंद का व्यापक समर्थन मिला, जिससे स्थानीय बाजार और परिवहन सेवाओं पर असर पड़ा। अन्य जिलों में बंद की अपील लगभग असफल रही और सामान्य जीवन प्रभावित नहीं हुआ। पुलिस ने हालात की निगरानी करते हुए मामूली घटनाओं को नियंत्रित किया।

क्यों किया गया था भारत बंद का ऐलान?

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अपील की थी, जिसमें कहा गया है कि राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में 'क्रीमी लेयर' की पहचान करनी चाहिए और उन्हें कोटा लाभ से बाहर रखना चाहिए।

मनोज जरांगे के विधानसभा चुनाव लड़ने पर बढ़ा सस्पेंस

29 अगस्त की प्रस्तावित बैठक हुई स्थगित

मुंबई। सरकार और खासकर बीजेपी की नाक में दम करने वाले मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के विधानसभा चुनाव लड़ने पर सस्पेंस अब और बढ़ गया है। लोकसभा चुनाव में कई सीटों पर बीजेपी को नुकसान पहुंचाने वाले मनोज जरांगे मराठा समाज को ओबीसी कोटे से आरक्षण की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्होंने आरक्षण नहीं दिए जाने पर राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने या फिर सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवारों को विधानसभा चुनाव में हराने की चेतावनी दी है। मनोज जरांगे की रणनीति का खुलासा होने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि मनोज जरांगे ने 29 अगस्त की अपनी प्रस्तावित बैठक को फिलहाल रद्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने ऐसा निर्णय विधानसभा चुनाव में संभावित देरी को देखते हुए लिया है। अपने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने या फिर सत्तारूढ़ उम्मीदवारों को हराने की रणनीति तय करने के लिए मनोज जरांगे ने 29 अगस्त को अपने समाज और सहयोगियों की एक बैठक के आयोजन की योजना बनाई थी। लेकिन बुधवार को उन्होंने जालना में पत्रकारों से कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के टलने की चर्चा चल रही है।

दाभोलकर हत्याकांड

तीन आरोपियों को बरी करने के खिलाफ परिवार ने उच्च न्यायालय का किया रुख

मुंबई। तर्कवादी नरेन्द्र दाभोलकर की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को सामाजिक कार्यकर्ता के परिवार ने बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। दाभोलकर की बेटी मुक्ता दाभोलकर ने अपील दायर कर उस फैसले को भी चुनौती दी है, जिसके तहत मामले में दोषी ठहराए गए दो अन्य आरोपियों को आपराधिक साजिश और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी कृत्य के अपराध से बरी कर दिया गया है। मुक्ता दाभोलकर ने अधिवक्ता अभय नेवागी के माध्यम से दायर अपील में कहा कि उनके पिता की हत्या एक 'सुनियोजित हत्या थी और इसमें एक बड़ी साजिश थी।''

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से बिगड़ी व्यवस्था, मरीजों को नहीं मिल रहा उपचार

मुनीब चौरसिया । नई दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के विरोध में मुंबई सहित प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। बुधवार को हड़ताल का 9वां दिन था। डॉक्टरों की हड़ताल का खासा असर मुंबई महानगरपालिका (मनपा) के अस्पतालों में दिखाई दे रहा है। मुंबई मनपा की ओपीडी रिपोर्ट के अनुसार बीते 7 दिनों में मनपा के केईएम, सायन, नायर और कूपर अस्पताल की ओपीडी सेवा 50 फीसदी से ज्यादा प्रभावित हुई है। हड़ताल के 9 दिनों में 7 दिन अस्पताल में ओपीडी हुई है। जिसमें से दो दिन ओपीडी की कमान आपला दवाखाना और उपनगरीय अस्पतालों के मेडिकल अफसरों ने संभाली थी। मनपा के बड़े अस्पतालों की संचालक डॉ. नीलम अंद्राडे ने बताया कि हड़ताल में मरीज सेवा प्रभावित न हो इसके लिए अस्पतालों में इंतजाम किए गए हैं। हर अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर ओपीडी की कमान संभाले हुए हैं।

केईएम-नायर में 60 फीसदी ओपीडी हुई कम

केईएम अस्पताल में रोजाना 5955 मरीजों की ओपीडी रोजाना होती है लेकिन वर्तमान में यह संख्या 2,000 से 2,500 के बीच बनी हुई है। बीते 7 दिनों में यहां 59 फीसदी ओपीडी कम हुई है। जबकि नायर अस्पताल में रोजाना 3,000 से 3,500 मरीजों की ओपीडी होती है लेकिन वर्तमान में यह संख्या 1000 से 1500 के बीच बनी हुई है। बीते 7 दिनों में यहां 60 फीसदी ओपीडी कम हुई है। इसी प्रकार सायन अस्पताल में आम दिनों में रोजाना 3700 मरीज इलाज के हर अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर ओपीडी की कमान संभालेए ओपीडी में आते हैं लेकिन वर्तमान में हड़ताल के कारण सिर्फ 1200 से 1500 मरीज की ओपीडी होती है। एक आंकड़े के मुताबिक बीते सात दिनों में सायन अस्पताल में 51 फीसदी ओपीडी कम हुई है। यही हाल पश्चिम उपनगर के कूपर अस्पताल का है। कूपर अस्पताल में आम दिनों में रोजाना 2 हजार से अधिक मरीज ओपीडी में आते हैं लेकिन वर्तमान में सिर्फ 1200 से 1500 बनी हुई है। बीते सात दिनों में कूपर असपताल में 40 फीसदी ओपीडी कम हुई है।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से भी मिले रेजिडेंट डॉक्टर

सुरक्षा के मुद्दे को लेकर सेंट्रल मार्ड के प्रतिनिधियों ने मंगलवार देर रात राज्य चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ। बी एन। गंगाधर से मुलाकात की। सेंट्रल मार्ड के अध्यक्ष डॉ। प्रतीक देबाजे ने बताया कि इस दौरानकई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और उन्होंने मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की सुरक्षा के संबंध में विभिन्न कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ दो ग्राम पंचायत कर्मचारी गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । रायगढ़

रायगढ़ जिले में रिश्वत मांगने और उसको स्वीकार करने का मामला सामने आया है। इस संदर्भ में दो ग्राम पंचायत कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) के एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।

50,000 रुपए की रिश्वत लेते आरोपी गिरफ्तार

उन्होंने बताया कि अलीबाग के पास कुरुल ग्राम पंचायत के आरोपी 36 साल के श्रीहरि अर्जुन खराट और 39 साल के सुजीत श्याम पाटिल उर्फ पिंट्या ने शिकायतकर्ता द्वारा बनाए गए घर का मूल्यांकन करने और इसका आदेश जारी करने के लिए कथित तौर पर पैसे मांगे थे।

दोनों के खिलाफ मामला दर्ज

उन्होंने आगे बताया कि कर्मचारियों द्वारा रिश्वत की मांग के बाद शिकायतकर्ता ने इस बारे में जानकारी दी, जिसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जाल बिछाया और मंगलवार को 50,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। रायगढ़ पुलिस उपाधीक्षक शशिकांत पदवे ने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अलीबाग पुलिस स्टेशन में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कोर्ट परिसर में हाईवोल्टेज ड्रामा, सरकारी वकील की हुई पिटाई

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे में एक महिला ने कथित तौर पर अदालत परिसर में ही एक विशेष लोक अभियोजक पर हमला बोल दिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर इलाके में हुई। उन्होंने आगे बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

विशेष लोक अभियोजक पर हमला

सीबीडी पुलिस थाना के एक अधिकारी ने बताया कि सीवुड्स इलाके की निवासी शालिनी वीरभद्र पांडा एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता थी और वह अभियोक्ता से नाराज थी। दरअसल, अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया था, जिससे नाराज पांडा ने मंगलवार दोपहर विशेष अभियोक्ता रवींद्र जाधव के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया और मारपीट की।

महाराष्ट्र में पैर जमाने की जुगत में ओपी राजभर

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने अपनी जड़े महाराष्ट्र में जमाने के उद्देश्य से मुंबई से सटे मीरारोड में राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया है। सुभासपा के 2 दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ बुधवार 21 अगस्त को मीरारोड पूर्व के भारत रत्न लता मंगेशकर नाट्य गृह में हुआ। 21 और 22 अगस्त को संपन्न होने वाले इस अधिवेशन में मुख्य अतिथि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तरप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, राजस्थान आदि राज्यों के कमिटी सदस्य सहभागी हुए। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर राजभर ने बताया की अन्य राजनीतिक पार्टियों की तरह ही सुभासपा के राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया है।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से बिगड़ी व्यवस्था

दोपहर संवाददाता । मुंबई

■ मरीजों को नहीं मिल रहा उपचार

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के विरोध में मुंबई सहित प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। बुधवार को हड़ताल का 9वां दिन था। डॉक्टरों की हड़ताल का खासा असर मुंबई महानगरपालिका (मनपा) के अस्पतालों में दिखाई दे रहा है। मुंबई मनपा की ओपीडी रिपोर्ट के अनुसार बीते 7 दिनों में मनपा के केईएम, सायन, नायर और कूपर अस्पताल की ओपीडी सेवा 50 फीसदी से ज्यादा प्रभावित हुई है। हड़ताल के 9 दिनों में 7 दिन अस्पताल में ओपीडी हुई है। जिसमें से दो दिन ओपीडी की कमान आपला दवाखाना और उपनगरीय अस्पतालों के मेडिकल अफसरों ने संभाली थी। मनपा के बड़े अस्पतालों की संचालक डॉ. नीलम अंद्राडे ने बताया कि हड़ताल में मरीज सेवा प्रभावित न हो इसके लिए अस्पतालों में इंतजाम किए गए हैं। हर अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर ओपीडी की कमान संभाले हुए हैं।

केईएम-नायर में 60 फीसदी ओपीडी हुई कम

केईएम अस्पताल में रोजाना 5955 मरीजों की ओपीडी रोजाना होती है लेकिन वर्तमान में यह संख्या 2,000 से 2,500 के बीच बनी हुई है। बीते 7 दिनों में यहां 59 फीसदी ओपीडी कम हुई है। जबकि नायर अस्पताल में रोजाना 3,000 से 3,500 मरीजों की ओपीडी होती है लेकिन वर्तमान में यह संख्या 1000 से 1500 के बीच बनी हुई है। बीते 7 दिनों में यहां 60 फीसदी ओपीडी कम हुई है। इसी प्रकार सायन अस्पताल में आम दिनों में रोजाना 3700 मरीज इलाज के हर अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर ओपीडी की कमान संभालेए ओपीडी में आते हैं लेकिन वर्तमान में हड़ताल के कारण सिर्फ 1200 से 1500 मरीज की ओपीडी होती है। एक आंकड़े के मुताबिक बीते सात दिनों में सायन अस्पताल में 51 फीसदी ओपीडी कम हुई है। यही हाल पश्चिम उपनगर के कूपर अस्पताल का है। कूपर अस्पताल में आम दिनों में रोजाना 2 हजार से अधिक मरीज ओपीडी में आते हैं लेकिन वर्तमान में सिर्फ 1200 से 1500 बनी हुई है। बीते सात दिनों में कूपर असप्ताल में 40 फीसदी ओपीडी कम हुई है।

बदलापुर की घटना के बाद जागे जिलाधिकारी

▶▶ स्कूलों में सखी सावित्री समिति है या नहीं, इसकी जांच का दिया आदेश

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले के बदलापुर के एक नामी स्कूल में साढ़े तीन साल के दो बच्चों के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। लेकिन वहीं अब तक जिले के स्कूलों में सखी सावित्री समिति है या नहीं, इसके बारें में जिला प्रशासन अनभिज्ञ था। आखिरकार मंगलवार को अभिभावकों के सड़क पर उतरने के बाद ठाणे के जिला कलेक्टर अशोक शिनगारे की नींद खुल गई और उन्होंने घटना के बाद यह जांच करने का आदेश दिया है कि स्कूलों में सखी सावित्री समितियां हैं या नहीं।

जिले के युवाओं को मिलेगा जर्मनी में रोजगार

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र सरकार ने कुशल जनशक्ति के प्रावधान के संबंध में जर्मनी के बाडेन-वुटेनबर्ग राज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अनुसार ठाणे जिले के युवाओं को जर्मनी में रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे।

जर्मन भाषा सिखाएगी सरकार

भाषा सीखने के लिए सरकार देगी खर्च

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य डॉ. संजय वाघ ने बुधवार को बताया कि एक व्यक्ति के प्रशिक्षण का खर्च वैसे तो करीब 33 हजार रुपये आयेगा लेकिन यह खर्च सरकार वहन करेगी। बाडेन-वुर्टेमबर्ग राज्य ने कम से कम 10,000 कुशल युवाओं की मांग जाहिर की है। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के प्रशिक्षित बेरोजगारों को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग जर्मनी में रोजगार के लिए जाना चाहते हैं, उन्हें शुरुआत में जर्मन भाषा और शाही शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा जर्मनी में गोएथे संस्थान के सहयोग से जर्मन भाषा पढ़ाई जाएगी। यह परीक्षा पास करने वालों को जर्मनी में अच्छे वेतन वाली नौकरियां मिलेंगी। यह पहल प्रायोगिक आधार पर लागू की जा रही है और संबंधित समझौते पर 25 फरवरी 2024 को हस्ताक्षर किए गए हैं।

30 अलग-अलग क्षेत्रों की ट्रेनिंग

स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित नर्सें, सहायक रेडियोलॉजिस्ट, सहायक दंत चिकित्सक, चिकित्सा लेखा अधिकारी, रिसेप्शन हॉल निदेशक, रसोइये, कौशल विकास क्षेत्र में होटल प्रबंधक और तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन, नवीकरणीय ऊर्जा इलेक्ट्रीशियन, थर्मल इलेक्ट्रीशियन, राजमिस्त्री, प्लंबर, जॉइनर, ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड जैसे 30 अलग-अलग क्षेत्रों की ट्रेनिंग पूरी कर चुके लोगों के लिए यह एक सुनहरा मौका होगा। जर्मन भाषा प्रशिक्षण और शिष्टाचार प्रशिक्षण के बाद परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रमाणपत्र धारकों को जर्मनी में रोजगार मिलेगा। जो लोग विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और जर्मनी में रोजगार के लिए जाना चाहते हैं, उनका जर्मन भाषा सीखने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया जाएगा। डॉक्टर संजय बाघ ने बताया कि इसके लिए एसएस कॉलेज ऑफ साइंस, कॉमर्स एंड आर्ट्स, नेरुल, नवी मुंबई, सतीश प्रधान ज्ञानसाधना जूनियर कॉलेज, ठाणे, नूतन विद्यालय, कल्याण, ठाणे, जे.ए.ई. विद्यालय, तलाव पति, ठाणे (पश्चिम) के स्कूलों और कॉलेजों से संपर्क किया जा सकता है।

बदलापुर प्रकरण को लेकर भिवंडी महिला एनसीपी का मोर्चा

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

बदलापुर की एक प्रसिद्ध स्कूल में 3 वर्ष की दो नाबालिक बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इस प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफ़ा की मांग करते हुए भिवंडी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की महिला अध्यक्ष स्वाति कांबले के नेतृत्व में मोर्चा निकाल कर जोरदार आंदोलन किया गया। इस मोर्चे में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल थी।

स्कूल क्षेत्र में लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता - गोऱ्हे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बदलापुर में सेनेटरी गार्ड द्वारा स्कूल की दो छोटी लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार की जानकारी मिलने पर डॉ. नीलम गोऱ्हे तुरंत कोल्हापुर से बदलापुर पहुंचीं। और वहां जाकर वहां की स्थिति के संदर्भ में घटित घटनाओं के संदर्भ में, सामने आए मुद्दों से विस्तृत जानकारी ली। उस वक्त एक मुद्दा सामने आया, जिसके संदर्भ में वह अनुवर्ती कार्रवाई करने वाली है। उस मुद्दे के अनुसार यदि पॉक्सो से संबंधित जिन लड़कियों के मामले हैं, उन मामलों में अलग-अलग उम्र की लड़कियों की स्थिति के अनुसार एसओपी और लड़की की उम्र के अनुसार संवेदनशील तरीके से शिकायत दर्ज करने पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

आवश्यक विभागों की तत्काल बैठक लेंगी डॉ. गोऱ्हे

यह एक गंभीर मामला है और उपसभापति होने के नाते अगले सप्ताह डॉ. नीलम गोऱ्हे जी विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से सबंधित प्रशासनिक अधिकारी और सम्बंधित संस्थानों के प्रतिनिधि के साथ कुछ बैठकें करने जा रही हैं। डॉ. गोऱ्हे इस मामले में जल्द से जल्द दो महीने के अंदर फैसला हो और फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में इस केस को चलाया जाए, इसके लिए लगातार कोशिश कर रही है। डॉ. गोऱ्हे जी ने पुलिस को सुझाव दिया है कि लड़कियों की बाल परामर्शदाताओं से बात करानी चाहिए और पिछले चार-पांच दिनों में उन पर जो आघात हुआ है, उसे दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संस्थानों में लड़कियों की सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा

इस मौके पर कुछ और मुद्दे भी सामने आए हैं और वो ये है कि इस सारे काम में शिक्षण संस्थानों में संगठन बनाने वाले अभिभावकों और शिक्षकों की भी अधिक से अधिक भागीदारी की जरूरत है. माननीय शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने इन मुद्दों पर बहुत बारीकी से ध्यान दिया है और बेहतर कार्यान्वयन के लिए उनका सहयोग करने के लिए डॉ. नीलम गोऱ्हे लाडकी बहिण योजना के लिए दौरा कर रही हैं। उस समय वे वहां के शिक्षा अधिकारियों से भी इस संदर्भ में चर्चा करेंगी। डॉ. गोऱ्हे 22 अगस्त 2024, 23 अगस्त 2024 को इस शहर और 24 अगस्त 2024 को नासिक के अक्कलकुवा का दौरा करेंगी।

सीपीएम ने 24 अगस्त के 'महाराष्ट्र बंद' को सफल बनाने की अपील की

▶▶ पवई में जोरदार विरोध प्रदर्शन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में महिलाओं और लड़कियों पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ शनिवार को महाविकास अघाड़ी ने 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया गया है. सीपीआई (एम) अपील कर रही है कि राज्य के लोग इस बंद को 100 प्रतिशत सफल बनाएं। बदलापुर, पुणे, अकोला आदि स्थानों पर स्कूलों में छोटी बच्चियों के साथ यौन शोषण की घटनाएं सामने आई हैं, जो मानवता को कलंकित करती हैं। चूंकि बदलापुर में जिस स्कूल में घटना हुई, उसके प्रिंसिपल राश्व संघ/भाजपा के थे, इसलिए महायुति के नेताओं ने पुलिस पर दबाव डाला। इसलिए पुलिस ने केस दर्ज करने से इनकार कर दिया. इसके विरुद्ध असंतोष व्यक्त करने वाले लोगों को बेरहमी से लाठियों से पीटा गया। भारतीय

कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की महाराष्ट्र राज्य समिति के महासचिव ने आरोप लगाया है कि बदलापुर के पूर्व महापौर एकनाथ शिंदे समूह के वामन म्हात्रे ने एक महिला पत्रकार से बात करते समय बहुत अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

पवई में प्रदर्शन

पवई (मार्क्सवादी) कम्युनिस्ट पार्टी शाखा की ओर से महिला उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और जनवादी महिला संगठन व मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

आईजीएम अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त

नवजात शिशु व स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने को लेकर थी हड़ताल

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर व तालुका का एकमात्र सरकारी स्व. इंदिरा गांधी उपजिला (आईजीएम) अस्पताल में 11 अगस्त से स्त्री रोग एवं नवजात शिशु सुरक्षा वार्ड में 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहने से डॉक्टरों की मांग प्रशासन से की जा रही थी, लेकिन संबंधित प्रशासन डॉक्टरों की मांग के बावजूद डॉक्टर उपलब्ध कराने में टालमटोल कर रहा है। जिसके लिए आज बुधवार 21 अगस्त को सुबह 10 बजे से आईजीएम अस्पताल के दुर्घटना विभाग और स्त्री रोग विभाग के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने मिलकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। लेकिन डॉक्टरों के विरोध के डेढ़ घंटे के भीतर ही संबंधित प्रशासन ने स्त्री रोग विशेषज्ञ और 24 घंटे नवजात सुरक्षा वार्ड में डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए पत्र जारी कर दिया।

डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र आने के बाद आंदोलन समाप्त

डॉक्टरों की नियुक्ति की जानकारी देते हुए आईजीएम अस्पताल की चिकित्साधीक्षक माधवी पंधारे ने बताया की 11 अगस्त के बाद से भिवंडी शहर के इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ और नवजात सुरक्षा कक्ष के डॉक्टर 24 घंटे उपलब्ध नहीं थे, जिसके कारण शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों से उपचार हेतु आने वाले मरीजों को उपचार में असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। वहीं महिलाओं की गंभीर प्रसूति के दौरान नर्स कोई निर्णय नहीं ले पाती है। ऐसी स्थिति में मरीजों को रिफर करना पड़ता था। इसलिए यहां डॉक्टरों की मांग को लेकर प्रशासन से मांग की गई थी। परंतु मांगनी के बाद भी प्रशासन द्वारा डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं की गई, जिसे लेकर बुधवार को अस्पताल के सभी विभाग के कर्मचारियों ने आंदोलन शुरू किया था। हालांकि संबंधित विभाग से स्त्री रोग एवं नवजात शिशु विभाग के डॉक्टरों का नियुक्ति पत्र आने के बाद डॉक्टरों ने अपना विरोध वापस ले लिया है।

यौन उत्पीड़न की जांच से बॉम्बे हाई कोर्ट हैरान

अतिरिक्त मुख्य सचिव को हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट करने का दिया निर्देश

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में महिलाओं के खिलाफ हुए यौन शोषण से जुड़े अपराधों से संबंधित जांच में बड़ी 'कमियों' पर नाराजगी जताई और अतिरिक्त मुख्य सचिव को हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि ऐसे गंभीर अपराधों में पुलिस जांच में 'जांच के बुनियादी सिद्धांतों' का अभाव क्यों दिखता है? जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस डॉ. नीला गोखले की बेंच की ओर से यौन उत्पीड़न के एक कथित मामले में 'खराब' जांच पर गंभीर आपत्ति जताई गई, जिसमें पुणे ग्रामीण के यवत पुलिस स्टेशन से जुड़े जांच अधिकारी ने मामले में पीड़िता के कपड़े जब्त नहीं किए, जिसे आरोपी ने झगड़े के दौरान सड़क पर निर्वस्त्र कर फेंक दिया था। जजों ने 12 अगस्त को अपने आदेश में कहा, "चार्जशीट पढ़ने के बाद, हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि काफी भयभीत भी हैं।

जांच अधिकारी के बयान पर भड़के जज

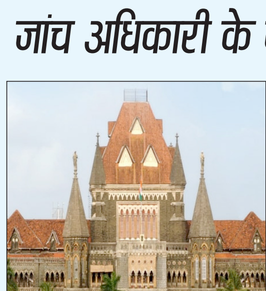

जब जजों ने जांच में उक्त 'गंभीर कमी' के बारे में जांच अधिकारी अजिंक्य दौंडकर से पूछा, तो उन्होंने बेंच को बताया कि चूंकि पीड़ित को एक अन्य शिकायत (तत्काल मामले में आरोपी द्वारा दायर) में भी आरोपी के रूप में नामित किया गया था, इसलिए वह (पीड़िता) फरार थी और उक्त पंचनामा नहीं कराया जा सका। इसके अलावा, जांच अधिकारी ने बेंच को बताया कि चूंकि पीड़िता पहनने के लिए कपड़ों का दूसरा सेट नहीं लाई थी, इसलिए उसके 'फटे' कपड़ों को पंचनामा के लिए जब्त नहीं किया गया। हालांकि, बेंच ने चार्जशीट से नोट किया कि जांच अधिकारी दौंडकर की दलीलें 'स्पष्ट रूप से झूठी और रिकॉर्ड के उलट थीं।' जज इस बात पर और भी नाराज हुए कि जांच अधिकारी 'केस डायरी' की कॉपी साथ नहीं लाए और उन्होंने बेंच से यह भी कहा कि उन्हें कोर्ट रूम में केस डायरी की कॉपी लाना जरूरी नहीं लगा। इस पर जजों ने कहा, "हम जांच अधिकारी दौंडकर की ओर से कोर्ट को दिए गए गोलमोल और झूठे जवाबों को सुनकर हैरान हैं। उनके जवाबों को सुनने के बाद हमारी अंतरात्मा हिल गई है।"

जांच अधिकारी का अपना 'हित'

बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जांच अधिकारी का यह आचरण उनके 'Interest' को दर्शाता है, जो अपराध में यौन उत्पीड़न की शिकार महिला के हितों की रक्षा करने की तुलना में आरोपी व्यक्ति के हितों की रक्षा करने के लिए 'अधिक' दिख रहा। जजों ने यह भी रेखांकित किया, "हम यहां यह नोट कर सकते हैं कि यह राज्य प्रशासन द्वारा आमतौर पर किए जाने वाले दावे के विपरीत है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों को राज्य द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है और उनकी तुरंत जांच की जा रही है। यह इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण है कि कैसे कानून लागू करने वालों द्वारा सरकार के दावे को नाकाम किया जा रहा है।"

अपने आदेश में बेंच ने यह भी कहा कि महिलाओं के खिलाफ इसी तरह के अपराधों की जांच में ऐसी खामियां और कमियां उसे नियमित रूप से देखने को मिलती रही हैं। जजों ने कहा, "हमारे अनुसार, जांच में इस तरह की खामियों से अंतत: आरोपी को फायदा होगा। हम अक्सर ऐसी स्थितियों का सामना करते हैं, जिसमें जांच के मूल सिद्धांतों का पालन नहीं किया जाता है।" कोर्ट ने आगे कहा, "इसलिए हम इन तथ्यों को पुलिस विभाग की हाइरारकी में सर्वोच्च कार्यकारी यानी महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के संज्ञान में लाना उचित और अनिवार्य पाते हैं।"

झगड़े के बाद पीड़िता के फाड़े कपड़े

इसलिए बेंच ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को 2 हफ्ते के भीतर अपना हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई अगले महीने 3 सितंबर को होगी। रवींद्र लागड़ की ओर से हाई कोर्ट में यह याचिका दाखिल की गई थी। याचिका के जरिए रवींद्र ने 30 अप्रैल, 2024 को उनके खिलाफ शील भंग करने, आपराधिक धमकी और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शिकायतकर्ता और आरोपी के बीच झगड़ा हो गया। इस बीच आरोपियों ने पीड़िता और उसकी मां को भद्दी गालियां दीं। यही नहीं उन लोगों ने पीड़िता के कपड़े तक फाड़ दिए।

ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ ने वामन म्हात्रे के विरोध में किया आंदोलन

दोपहर संवाददाता । ठाणे

बदलापुर में नाबालिग के साथ हुए अत्याचार की घटना का पूछताछ के दौरान महिला पत्रकार के साथ अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष वामन म्हात्रे का ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ की ओर से हाथों में काली पट्टी बांधकर 'वामन म्हात्रे पर मामला दर्ज करो' नारेबाजी करते हुए महिला व पुरुष पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन के बाद निवासी जिलाधिकारी संदीप माने को ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने मामला दर्ज करवाने के लिए निवेदन दिया। वामन म्हात्रे के विरुद्ध में मामला दर्ज करने के लिए स्थानीय पुलिस टालमटोल कर रही है।इस आंदोलन में ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ अध्यक्ष आनंद कांबले,महासचिव निलेश पानमंद, कार्याध्यक्ष विकास काटे,उपाध्यक्ष दीपक शेलार, दिलीप शिंदे,कोषाध्यक्ष विभव बिरवटकर, हेमलता वाडकर, प्रज्ञा म्हात्रे, सारिका सांलूखे, जयश्री शेट्टी, अनघा सुर्वे, श्रध्दा कांदलकर, नम्रता सूर्यवंशी, संपदा शिंदे, वंशिका चाचे,राहुल क्षीरसागर, गणेश पारकर, धनेश पाटील, गजानन हरिमकर, दीपक कुरकुंडे सहित बड़ी संख्या में आंदोलन में पत्रकार शामिल थे।

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार महान आविष्कार महान दृढ़ता से पैदा होते हैं : हेनरी मौडस्ले

यौन उत्पीड़न माना जाएगा नाबालिग का पीछा और प्यार का इजहार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई लड़का अपने प्यार का इजहार करने के लिए किसी नाबालिग का लगातार पीछा करता है तो वह यौन उत्पीड़न के समान माना जाएगा। हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने आरोपी को इस मामले में पीछा करने और यौन उत्पीड़न का दोषी पाया है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता लगातार आरोपी से इनकार कर रही थी लेकिन आरोपी प्रेम संबंध रखना चाहता था।

क्या है मामला?

एक नाबालिग ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा कि आरोपी लड़का उसका लगातार पीछा कर रहा था। वह उससे बात करना चाहता था लेकिन वह उसके लिए तैयार नहीं था। आरोपी ने पीड़िता के सामने प्यार का इजहार भी किया था और कहा था कि पीड़िता उसके प्यार को मानेगी और हां कह देगी। हालांकि पीड़िता ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद भी लड़का उसका बार-बार पीछा करता रहा। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता ने इस बात के सबूत दिए हैं कि उसकी आरोपी में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उसने कई बार आरोपी को समझाया भी लेकिन आरोपी नहीं माना। 19 अगस्त 2017 को जब पीड़िता ने आरोपी को थप्पड़ मारा और अपनी मां को पूरा बात बताई। इसके बाद परिजनों ने आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज कराई।

निचली अदालत के फैसले को रखा बरकरार

4 फरवरी 2021 को अमरावती की निचली अदालत ने आरोपी के नाबालिग का पीछा करने और पॉक्सो एक्ट को दोषी पाया। आरोपी ने हाईकोर्ट में इसे चुनौती थी। आरोपी ने कोर्ट में यह भी कहा कि लड़की ने उसे झूठे मामले में फंसाया है। लड़की उस समय किसी और लड़के के साथ थी। हालांकि हाईकोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार को मिली Z+ सिक्योरिटी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

21 अगस्त को केंद्र सरकार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी NCP (SP) प्रमुख शरद पवार को Z+ की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री को यह बढ़ी हुई सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शरद पवार की सिक्योरिटी बढ़ाने जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है। राज्य में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

शरद पवार की सुरक्षा में तैनत रहेंगे सीआरपीएफ के 55 जवान

एनसीपी-एसपी प्रमुख की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवान की एक टीम को नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह निर्णय केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद लिया गया है, जिसमें पवार के लिए सुरक्षा बढ़ाने की सिफारिश की गई थी। जेड प्लस कवर का प्रबंधन सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग द्वारा किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिक्योरिटी व्यवस्था को लागू करने के लिए सीआरपीएफ की एक टीम वर्तमान में महाराष्ट्र में है।

पवार ने स्वीकार की सुरक्षा

सीआरपीएफ के कुछ अधिकारियों ने एनसीपी के क्षेत्रीय कार्यालय में शरद पवार से चर्चा की। इस मौके पर अधिकारियों ने सुरक्षा का जायजा लिया और शरद पवार से बातचीत की। इस चर्चा के बाद राज्य के घटनाक्रम को देखते हुए शरद पवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शरद पवार ने Z प्लस की सुरक्षा स्वीकार कर ली है।

किसे दी जाती है Z+ सिक्योरिटी?

देश के सम्मानित लोगों और नेताओं को जान का खतरा होने पर उन्हें Z+ सिक्योरिटी दी जाती है। ये सुरक्षा मिनिस्टर्स को मिलने वाली सिक्योरिटी से अलग होती है। पहले सरकार को इसके लिए एप्लिकेशन देनी होती है, जिसके बाद सरकार खुफिया एजेंसीज के जरिए खतरे का अंदाजा लगाती हैं। खतरे की बात कंफर्म होने पर सुरक्षा दी जाती है। होम सेक्रेटरी, डायरेक्टर जनरल और चीफ सेक्रेटरी की कमेटी ये तय करती है कि संबंधित लोगों को किस कैटेगरी में सिक्योरिटी दी जाए।

कौन देता है Z+ सिक्योरिटी?

पुलिस के साथ-साथ कई एजेंसीज VIP और VVIP को सिक्योरिटी कवर दे रही हैं। इनमें स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी SPG, NSG, ITBP और CRPF शामिल हैं। हालांकि, खास लोगों की सुरक्षा का जिम्मा NSG के कंधों पर ही होता है, लेकिन जिस तरह से Z+ सिक्योरिटी लेने वालों की संख्या बढ़ी हैं, उसे देखते हुए CISF को भी यह काम सौंपा जा रहा है।

निया शर्मा की भाभी ने परिवार पर लगाया घरेलू हिंसा का आरोप

दोपहर संवाददाता | मुंबई

टीवी सीरियल नागिन और रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी जैसे टीवी शोज में काम कर चुकी एक्ट्रेस निया शर्मा बड़ी मुश्किल में फंसते हुए नजर आ रही हैं। निया शर्मा की भाभी ने निया और उनके परिवार पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। आरोप है कि निया की भाभी के साथ मारपीट की घटना हुई है। घरेलू हिंसा के इस मामले में दिल्ली कोर्ट ने निया शर्मा के परिवार को समन जारी किया है।

क्या है यह पूरा मामला ?

निया शर्मा की भाभी ने पुलिस में जो शिकायत दर्ज की है, उसके मुताबिक निया शर्मा ने अपने भाई और मां के साथ मिलकर भाभी के साथ दुर्व्यवहार किया है। निया की भाभी ने शिकायत में ये बात कही है कि इस दौरान उन्हें शारीरिक मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया गया है। घरेलू हिंसा की इस घटना में निया की भाभी ने पूरे परिवार का जिक्र किया हुई। वहीं मुंबई पुलिस के जरिए इस मामले में निया शर्मा और उनकी मां को नोटिस दिया गया है। इस मामले में और जानकारी सामने आना भी बाकी है।

बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस

मिहिर शाह की याचिका पर कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई के वर्ली में जुलाई माह में हुए बीएमडब्ल्यू 'हिट एंड रन' मामला में गिरफ्तार मिहिर शाह और राजर्षि बिदावत की एक याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए मुंबई पुलिस को जबाव मांगा है। आरोपी शाह और बिदावत ने अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए तुरंत रिहा करने के लिए बंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पुलिस से जवाब मांगा है। बंबई उच्च न्यायालय ने बीएमडब्ल्यू 'हिंट एंड रन' मामले में मुख्य आरोपी मिहिर शाह और उसके वाहन चालक राजर्षि बिदावत द्वारा दायर याचिकाओं पर बुधवार को पुलिस का जवाब मांगा। दोनों ने याचिकाएं दायर कर तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है और यह दावा किया है कि उनकी गिरफ्तारी ''गैरकानूनी'' है।

नौ जुलाई को आरोपी की गिरफ्तारी

मुंबई पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को कथित तौर पर टक्कर मारने की घटना के दो दिन बाद नौ जुलाई को आरोपी मिहिर शाह को गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना में कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी और उसका पति प्रदीप घायल हो गया था। शाह का वाहन चालक बिदावत भी दुर्घटना के वक्त कार में मौजूद था। उसे दुर्घटना वाले दिन गिरफ्तार कर लिया गया था। दोनों अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका दायर

पिछले सप्ताह आरोपी मिहिर शाह और बिदावत ने बंबई उच्च न्यायालय में गिरफ्तारी के खिलाफ एक याचिका दायर की थी। न्यायालय में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में शाह और बिदावत ने दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने बुधवार दोनों की याचिकाओं पर सुनवाई की।

अगली सुनवाई 29 अगस्त को

अदालत ने पुलिस को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले पर अगली सुनवाई के लिए 29 अगस्त की तारीख तय कर दी। शाह ने अपनी याचिका में पहले उसे पुलिस हिरासत और फिर न्यायिक हिरासत में भेजने के एक स्थानीय अदालत के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया। शाह ने अपनी रिहाई का अनुरोध करते हुए दावा किया कि उसे और हिरासत में रखना संवैधानिक आदेश का घोर उल्लंघन होगा। उसने यह भी कहा है कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 का पालन नहीं किया गया। इस धारा के अंतर्गत, पुलिस को किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे उस अपराध का पूरा विवरण बताना होता है जिसके लिए उसे गिरफ्तार किया जा रहा है या ऐसी गिरफ्तारी के अन्य आधार भी बताने होते हैं। शाह ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध घोषित किए जाने का अनुरोध किया है।

मिहिर ने पी थी शराब

मिहिर शाह (24) पर आरोप है कि दुर्घटना के बाद वह कार लेकर बांद्रा वर्ली सी लिंक की ओर भाग गया, जबकि महिला इस दौरान कार के बोनट पर ही रही और फिर 1।5 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक कार के पहियों में घिसटती रही। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से भागे शाह ने उस समय शराब पी रखी थी।पुलिस ने इस मामले में मिहिर के पिता राजेश शाह और उनके कार चालक राजर्षि बिदावत को भी गिरफ्तार किया गया था। राजेश शाह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पूर्व नेता हैं। राजेश शाह को जमानत मिल गई, जबकि मिहिर शाह और बिदावत फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त 'एच/पश्चिम' वार्ड का कार्यालय, दूसरा हसनाबाद लेन, खार (प।), मुंबई - 400052।

क्र। एचडब्लू/एसआर/266/ इएक्सपी/एईएम। दिनांक। 21/08/24

कोटेशन नोटिस

एच/पश्चिम वार्ड में खार डांडा में गणेशोत्सव के लिए वाटर प्रूफ स्वागत मंडप, कुर्सियां, सोफा, सीढ़ियां, पूजा के लिए टेबल, बांस के बैरिकेड्स और मात्रा की अनुसूची प्रदान करने और स्थापित करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद उद्धरण आमंत्रित किए जाते हैं।

नियम और शर्तों के साथ खाली उद्धरण फॉर्म एच।सी ।(इएक्सपी।) से उपरोक्त पते पर 22।08।2024 से 29।08।2024 तक सुबह 11।00 बजे से शाम 5।00 बजे तक 1000 रुपये + 18% जीएसटी के भुगतान पर खरीदा जा सकता है।

उपरोक्त सेवाओं के लिए ईएमडी 20000/- रुपये (केवल बीस हजार रुपये) ईएमडी का भुगतान 29।08।2024 को या उससे पहले नकद में किया जाना है।

कोटेशन 30।08।2024 को दोपहर 1।00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे और उसी दिन दोपहर 3।00 बजे खोले जाएंगे।

सहायक आयुक्त, एच/पश्चिम किसी भी या सभी को बदलने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ता।/
सहा।अभि।(मेंटे।), एच/पश्चिम

पीआरओ/1008/विज्ञा।/2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जाहिर सर्व साधारण निविदा सुचना क्र। ०६, सन २०२४-२५।

उल्हासनगर महानगरपालिका खालील नमूद कामांकरीता योग्य त्या वर्गात नोंदणीकृत ठेकेदारांकडून जाहिर सर्व साधारण निविदा बी - १ नमून्यात मागवीत आहे।

अ। क्र।	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम (GST वगळून)	अनामत रक्कम	को-या निविदा प्रतिची किंमत (१८% GST सह)	कामाचा कालावधी
१	उल्हासनगर ३ प्रभाग क्र। ९ मधील कैलाश ट्रेडर्स शॉप ते पंजाब नॅशनल बँके पर्यंत परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,९२,६३१/-	रु।५,९२६/-	रु।५९०/-	३० दिवस
२	उल्हासनगर ३ प्रभाग क्र। ९ मधील झुलेलाल फर्निचर ते गोल्डी फर्निचर शॉप पर्यंत परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,९२,८६७/-	रु।५,९२९/-	रु।५९०/-	३० दिवस
३	उल्हासनगर ३ प्रभाग क्र। ९ मधील राज फर्निचर शॉप ते आशा साबन शॉप पर्यंत परिसरात ८० मी।मी। व्यासाची जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,०८,४३९/-	रु। ५,०८४/-	रु।५९०/-	३० दिवस
४	उल्हासनगर मधील सीलेक्शन टेलर्स ते अमर आहुजा यांचे घर, सिमा कॅटरेस जवळ व परिसरात ८०/१००/१५० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।४,२२,२५२/-	रु।४,२२३/-	रु।५९०/-	३० दिवस
५	उल्हासनगर ५ मधील सोनारा चौक ते कोयिंडे चौक येथे असलेली १५० मी। मी। व्यासाची डी। आय। जलवाहिनी अमृत योजने अंतर्गत ड्रेनेज कामानिमित्त स्थलांतरीत करणे।	रु।८,४५,२११/-	रु।८,४५२/-	रु।५९०/-	३० दिवस
६	उल्हासनगर ५ मधील जयेश बार ते ५ नं। लालचक्की येथे असलेली १५० मी। मी। व्यासाची डी। आय। जलवाहिनी अमृत योजने अंतर्गत ड्रेनेज कामानिमित्त स्थलांतरीत करणे।	रु।८,४५,२११/-	रु।८,४५२/-	रु।५९०/-	३० दिवस
७	उल्हासनगर ४ मधील श्री राम पेट्रोल पंप पासुन ते बाबा प्राईम मॅरेज हॉल येथे असलेली १५० मी। मी। व्यासाची डी। आय। जलवाहिनी अमृत योजने अंतर्गत ड्रेनेज कामानिमित्त स्थलांतरीत करणे।	रु।८,४७,११०/-	रु।८,४७१/-	रु।५९०/-	३० दिवस
८	उल्हासनगर १ मधील गुलशन नगर ते कब्रिस्तान पर्यंत व परिसरात एच। डी। पी। ई ६३ मी।मी। व्यासाची व ५० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु। ८,४७,०८३/	रु।८,४७१/-	रु।५९०/-	३० दिवस
९	उल्हासनगर ०१ मधील पॅनल क्र। ६, येथील बॅरेक नं। ३०८ व परिसरात ५०/८०/१०० मी।मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।२,५२,८४३/-	रु। २,५२८/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१०	उल्हासनगर ०१ मधील पॅनल क्र। ६, येथील नाल्याच्या वर कंवाराम दरबार मागे व परिसरात ५०/८०/१०० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,८९,४४०/-	रु। ५,८९४/-	रु।५९०/-	३० दिवस
११	उल्हासनगर १ मधील पॅ। क्र। १ येथील शिवनेरी नगर, संतोष जैस्वाल यांच्या घरापासुन ते अनुज पांडे यांच्या घरापर्यंत व परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,८८,७७५/-	रु।५,८८८/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१२	उल्हासनगर १ मधील पॅ। क्र। १ येथील धोबीघाट मेन रोड पासुन ते पाल यांच्या घरापर्यंत व परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु। ५,९१,९१९/-	रु।५,९१९/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१३	उल्हासनगर १ मधील पॅ। क्र। १ येथील हर्षवर्धन नगर ते टिळकनगर पाण्याच्या टाकीपर्यंत व परिसरात २५/५० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।४,२०,९९६/-	रु। ४,२१०/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१४	उल्हासनगर १ मधील पॅ। क्र। १ येथील माले शर्मा यांच्या घरापासुन ते हनुमान मंदिर पर्यंत व परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु। ५,८८,७७५/-	रु।५,८८८/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१५	उल्हासनगर १ मधील पॅ। क्र। १ येथील शिवनेरी नगर, अनिल थोरात यांच्या घरापासुन ते बबन बनसे यांच्या घरापर्यंत व परिसरात ८० मी। मी। व्यासाची नविन जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,९०,८२५/-	रु।५,९०८/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१६	उल्हासनगर ४ मधील आशिर्वाद हॉस्पीटल, बुध्द विहार, भारत डेअरी दुकान ते क्रिष्णा जनरल स्टोर येथील परिसरात १००/१५० मी।मी। व्यासाची डी। आय। के। ७ जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,०८,०४९/-	रु।५,०८०/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१७	उल्हासनगर २ मधील हनुमान नगर आणि एम। आय। डी। सी। मेन गेट पासुन गुप्ता डॉक्टर पर्यंतच्या परिसरात ८०/१०० मी। मी। व्यासाची जी। आय। जलवाहिनी टाकणे।	रु।४,२३,३३८/-	रु।४,२३३/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१८	उल्हासनगर ४ रोमा उंच जलकुंभ व जिजामाता उंच जलकुंभ येथील २५०/३००/३५० मी।मी। व्यासाची एम। एस। मेन लाईन दुरुस्ती करणे।	रु।४,२२,९१५/-	रु।४,२२९/-	रु।५९०/-	३० दिवस
१९	उल्हासनगर ४ पॅनल क्र। १६ मधील (१) शंकर मंदिर मागील बाजु कुलकर्णी यांच्या घरापर्यंत (२) वीर सावरकर नगर ते योगेश नगर पर्यंत (३) साई महक अपार्टमेंट ब्लॉक नं। ७२४ जवळ ८० मी। मी। व्यासाची जलवाहीनी टाकणे।	रु।५,९३,०६१/-	रु। ५,९३१/-	रु।५९०/-	३० दिवस
२०	उल्हासनगर ५ पॅनल क्र। १६ मधील बच्चाराम यांच्या घरापासुन ते गोकुळ नगर पर्यंत ८० मी। मी। व्यासाची जलवाहिनी टाकणे।	रु।५,९३,०६१/-	रु।५,९३१/-	रु।५९०/-	३० दिवस

अटी व शर्ती :-

१) या कामी निविदा प्रपत्र रोख रक्कम भरणा करून दिनांक २२/०८/२०२४ पासून दिनांक २८/०८/२०२४ पर्यंत दुपारी ३।०० वाजेपर्यंत उपलब्ध होतील।
२) सीलबंद निविदा दिनांक २९/०८/२०२४ रोजी दपारी ०३।०० वाजेपर्यंत उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या पाणी पुरवठा विभागात स्वीकारण्यात येतील।
३) मुदतीत प्राप्त झालेल्या निविदा दिनांक ३०/०८/२०२४ रोजी दु। ०३।०० नंतर शक्य झाल्यास अथवा इतर सोयीच्या दिवशी उपस्थित निविदाधारक किंवा त्यांचे प्रतिनिधी समक्ष उघडण्यात येतील।
४) अटी व शर्ती युक्त निविदाचा विचार केला जाणार नाही।
५) कामांची देयके निधी उपलब्धतेनुसार अदा करण्यात येतील।
६) प्रत्यक्ष कामांची ठिकाणे पाहून निविदा भराव्यात।
७) प्राप्त निविदेतील १ अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता मंजूर अथवा नामंजूर करण्याचा हक्क उल्हासनगर महानगरपालिकेने राखून ठेवला आहे।
८) २% सुरक्षा अनामत रक्कम देयकातून वजा करण्यात येईल
९) सदरच्या अंदाजपत्रकीय रक्कमेमध्ये GST पकडण्यात आलेली नाही। १०) देयकास लागणारी GST रक्कम स्वतंत्रपणे देण्यात येईल।
११) निविदा अंतिमतः स्विकारणे / नाकारणेचे अधिकार मा। आयुक्तांचे राहतील।

हस्ता/-
(किशोर नवस)
अतिरिक्त आयुक्त (०२)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा।क्र। उमपा/पीआरओ/322/2024
दिनांक- 21/08/2024

दो बजे दोपहर

संपादकीय

फिर यू टर्न

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वच्छंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी, जब सीधी भर्तियों के लिये विज्ञापन दिए गए थे। ये नियुक्तियां अनुबंध पर तीन से पांच साल के लिये की गई। लेकिन नियुक्तियों की संख्या कम होने के कारण विवाद नहीं उठा था। इन पदों के लिये राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र में इस पद से जुड़ा अनुभव रखने वाले लोग आवेदन कर सकते हैं। तर्क दिया गया कि ये नियुक्तियां डेप्यूटेशन जैसी हैं, जिसमें आरक्षण अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इस मुद्दे के विरोध के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, राजग सरकार ने भी आरक्षण विरोधी छवि बनने की आशंका के बीच इस फैसले से हाथ खींचा है। बहरहाल, प्रशासनिक व्यवस्था में विषय विशेषज्ञों का जुड़ना अच्छी बात है लेकिन इस प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता की जरूरत है।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों से कोलकाता में एक महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या चर्चा में है। इसे कोलकाता का निर्भया कांड कहा जा रहा है। निर्भया की दुष्कर्म और हिंसक मारपीट के बाद सिंगापुर के अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। इस डाक्टर के साथ अपराध वहां किए गए हैं, जहां वह काम करती थी। क्यों सड़कें, घर, अस्पताल, दफ्तर, महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। निर्भया कांड के बाद दिल्ली में तेज आंदोलन हुआ था। उस समय सारा विपक्ष निर्भया के समर्थन में उतर आया था। और एक बेहद गरिमामय मुख्यमंत्री शीला दीक्षित चुनाव हार गई थीं। लेकिन कोलकाता के केस में ममता बनर्जी की सरकार और विपक्ष का बड़ा तबका अगर-मगर कर रहा है। देशभर में डाक्टरों के स्वतः स्फूर्त आंदोलनों को केंद्र की सत्ताधारी पार्टी से जोड़ा जा रहा है। यहां तक कि डाक्टरों को बीजेपी का सपोर्टर बताया जा रहा है। कितने अफसोस की बात है कि शीला दीक्षित को तो बार-बार इस छड़ी से पीटा गया था कि एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में ऐसा हुआ। उन्हें निर्भया को श्रद्धांजलि देने तक से रोक दिया गया था। लेकिन बंगाल के मामले में लोगों ने चुप्पी साध रखी है। यही नहीं, निर्भया के बारे में जो तर्क दिए गए थे कि वह इतनी रात बाहर निकली ही क्यों थी। जैसे कि लड़कियां रात में बाहर निकलेंगी तो पुरुषों को यह अधिकार मिल जाएगा कि उनके साथ कुछ भी करो। दुष्कर्म करो, उन्हें मार डालो। कोलकाता में भी ऐसे ही तर्क सत्ताधारी दल के द्वारा दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वह लड़की सेमिनार रूम में उस वक्त क्या कर रही थी। अपराधी से कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे कि वह वहां क्या करने गया था। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि यह मामला मानव अंगों की तस्करी से जुड़ा है। इसमें बहुत से लोग शामिल हैं। महिला डाक्टर को इस बारे में पता चल गया था, वह इसकी शिकायत भी करना चाहती थी, इसलिए उसे खत्म कर दिया गया। सच जो भी हो, लेकिन एक स्त्री ने वहां जान गंवाई है, जहां वह काम करती थी। आखिर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की क्यों नहीं थी। उसके माता-पिता को तीन घंटे तक उसके शव को क्यों नहीं देखने दिया गया। अज्ञात लोगों ने बड़ी संख्या में आकर अस्पताल में तोड़-फोड़ क्यों की। बहुत से सवाल हैं जो अनुत्तरित हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ कोलकाता के सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से हो रही है। क्या सचमुच हमारे राजनेता, जिनमें स्त्री हों या पुरुष, अपनी-अपनी सत्ता बचाने के लिए इतने अमानवीय हो गए हैं। औरतें सहज शिकार हैं और उनसे कोई सहानुभूति भी नहीं। निर्भया कांड के बाद नए रेप कानून की मांग की गई थी कि उसे इतना कठोर बनाया जाए कि अपराधियों की रूह कांपे। कानून बना, मगर ऐसा हो नहीं सका है। सोचें कि जब पढ़ी-लिखी स्त्रियों के साथ सरेआम ऐसा हो रहा है, तो उन गरीब स्त्रियों का क्या, जिनकी पहुंच न पुलिस तक होती है, न कानून तक। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों की पोस्ट पढ़कर तो लगता है कि ये भी इंसान कहलाने के लायक नहीं। एक आम तर्क यह दिया जा रहा है कि कोलकाता पर बोलने वाले उत्तराखंड के दुष्कर्म पर क्यों नहीं बोले, मणिपुर पर क्यों चुप रहे। मान लीजिए कि कोई उस वक्त नहीं बोला, तो क्या इस वक्त उसने अपने बोलने के अधिकार को किसी के पास गिरवी रख दिया कि जब आपकी राजनीति को सूट करे तब आपसे पूछकर कोई बोले। देश में इन दिनों या तो आप पक्ष में हो सकते हैं, या विपक्ष में। बीच की वह रेखा मिटा दी गई है जहां जब कोई दल अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ की जाए और बुरा करे तो निंदा। आखिर काम-काज की जगह पर स्त्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से क्यों बचना चाहिए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है, तो इस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या महिला और महिला के दुष्कर्म में फर्क होता है। महिलाओं के प्रति अपराध कहीं भी हों, देश में किसी भी सत्ताधारी दल की सरकार हो, वह निंदनीय है। लेकिन उंगली अक्सर दूसरे की तरफ ही उठती है। दफ्तरों में यौन प्रताड़ना की निगरानी करने वाली कमेटियां सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर महिला सुरक्षा के लिए ही बनाई गई थीं। क्या कोलकाता की डाक्टर के साथ हुआ अपराध इस श्रेणी में नहीं आता। दिल्ली में जब एक महिला की घर से कुछ दूर रात में हत्या कर दी गई थी, तब से यह कानून बनाया गया था कि रात में जो कैब महिला को छोड़ने जाएगी, वहां उसके साथ दफ्तर का कोई आदमी होगा, जो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यही नहीं, जब तक महिला अपने घर के अंदर नहीं चली जाएगी, तब तक कैब वहां से नहीं जाएगी। डाक्टर जो बहत्तर-बहत्तर घंटे ड्यूटी करते हैं, उन्हें सड़क पर तो छोड़िए, अपने काम-काज के स्थान पर सुरक्षा न मिले तो यह कितनी खतरनाक बात है। बहुत-सी महिला डाक्टरों के बयान इस लेखिका ने पढ़े और सुने हैं। उनमें यही चिंता झलक रही थी। लेकिन कुछ दल और उनके समर्थकों को इससे क्या। वे इन महिला डाक्टरों के बयानों से आंखें मूंदकर, ममता बनर्जी का पक्ष लेते रहे। चुनावों से पहले जब हमारे देश के अधिकांश दल अपने-अपने घोषणापत्रों में महिला सुरक्षा के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उनका क्या फायदा, जब किसी ऐसे अवसर पर आप अपने-अपने दल का मुंह ताकते हुए बयानबाजी करें। अपनी कुर्सी की खातिर किसी अपराध को अपराध कहने से बचें। और वे बुद्धिजीवी जो इस लड़की की निर्मम हत्या पर आंखें मूंदे हैं क्योंकि यह उनकी राजनीति के पक्ष में नहीं जाता, आखिर उन्हें कौन-सा इलेक्शन लड़ना है। वोट की चिंता करनी है। लेकिन पिछले कुछ सालों से जिसे सच कहते हैं, उसका इतना पतन हुआ है कि कोई सच भी बोल रहा हो तो बहुत से लोग अपने-अपने हितों को देखकर उसे झूठ साबित करने पर लग जाते हैं। महिला डाक्टर की हत्या के मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया है। सीबीआई जांच में जो कुछ भी पाए, वह लड़की जिसके माता-पिता ने उसे डाक्टर बनाया, उसके परिश्रम ने भी उसका साथ दिया, वह तो अब वापस आने से रही। और तो और उसकी तस्वीरें जगह-जगह दिखाई दे रही हैं। उसका नाम बताया जा रहा है। जबकि कानूनन ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है। आज जब बड़ी संख्या में लड़कियां काम-काज के लिए बाहर निकल रही हैं, तब सत्ताधारियों द्वारा उनकी हस्ती को मिटा देने के ऐसे षड्यंत्र क्यों सफल हों। कायदे से तो महिलाओं को अपनी सुरक्षा की आवाज के तहत उन दलों से सवाल पूछने चाहिए। पितृसत्ता-पितृसत्ता चिल्लाइए और जब मौका मिले उसकी आड़ में या अपने-अपने दलों की आड़ में छिप जाइए, यह कितना शर्मनाक है।

सहज योग

मानव उच्च चेतना से परिचित हो

सारी खोज के पीछे में आनन्द की प्यास आपको घसीटे चली जा रही है किसी अज्ञात की ओर, सारी ही खोजों में ढूंढते ढूंढते जब मनुष्य हार जाता है, और कहीं मिलता नहीं तो पर इसका बोझा बढ़ता जाएगा। अगर मैं कहू कि कोई बोझा न रखो तो उसका भी बोझा बनता जाएगा।

वास्तविक जो चीज स्थित है, जो है ही उसका अविष्कार कैसे होता है? जैसे कि कोलम्बस हिन्दुस्तान खोजने के लिए चल पड़ा था तब क्या हिन्दुस्तान नहीं था? यदि नहीं होता तो खोज किस चीज की कर रहा था। सहजयोग तो है ही पहले ही से है। इसका पता सिर्फ अभी लगा है। सहजयोग, ये परम तत्व का अपना तरीका है। यह एक ही मार्ग है, मानव जाति को उत्क्रान्ति (Evolution) के उस आयाम में उस (Dimension) में पहुंचाने का एक तरीका है, एक व्यवस्था है, जिससे मानव उच्च चेतना से परिचित हो जाए। उस चेतना से आत्मसात हो जाए जिसके सहारे ये सारा संसार, सारी सृष्टि और मानव का हृदय भी चल रहा है। बहुत कुछ इसके बारे में लिखा गया है, पुरातन कालों से ही खोज होती रही, मनुष्य खोज कुछ रहा ही है हर समय, चाहे वो पैसे में खोज ले, चाहे वो सत्ता में खोज ले चाहे वो प्रेम में खोज ले, वो किसी न किसी खोज की ओर दौड़ रहा है। लेकिन उस खोज के पीछे में कौन सी प्यास है वो शायद वो जानता नहीं। इसके पीछे में सिर्फ आनन्द की खोज है, आनन्द की खोज में वो सोचता है कि बहुत सी गर सम्पत्ति इकट्ठा कर ले तो उस आनन्द में लय हो सकता है। लेकिन ऐसे भी देश अनेक हैं जिन्होंने सम्पत्ति में बहुत कुछ प्रगति कर ली, बहुत कुछ पा लिया है और अत्यन्त दुखी हैं। आनन्द तो दूर रहा, हजारों लोग वहाँ आत्महत्याएं कर रहे हैं! सारी खोज के पीछे में आनन्द की प्यास आपको घसीटे चली जा रही है किसी अज्ञात की ओर, सारी ही खोजों में ढूंढते ढूंढते जब मनुष्य हार जाता है, और कहीं मिलता नहीं तो पर इसका बोझा बढ़ता जाएगा। अगर मैं कहू कि कोई बोझा न रखो तो उसका भी बोझा बनता जाएगा। इसी तरह की व्यवस्था परमात्मा ने हमारे अन्दर कर दी है कि मन से हम जो भी करेंगे वह बोझिल हो जाएगा और उस बोझे के नीचे हम दबे हुए उड़ नहीं सकते वहां पर जहां पर हमें जाना है। इसीलिए खोज आज तक अधूरी ही रही है। लेकिन नव निर्माण की बात मैं आप से करने वाली हूं सिर्फ बात ही नहीं इसका अविष्कार, जो खोज निकाला है। उत्क्रान्ति के मार्ग में ऐसा नहीं होता रहा है कि कोई प्राणी अति विशेष Specialization में या विशेषज्ञ हो गया तो वो गिर जाता है, वो खत्म हो जाता है। इसी तरह से मनुष्य का भी हुआ जा रहा है कि इतना ज्यादा आपस की जो विरोध और Competiton चल रही है उससे मनुष्य ने भी अपने दिमाग को इतना ज्यादा विशेषज्ञ कर लिया है कि वो फटा चला जा रहा है उसका दिमाग और एक अब नया तरह का मानव आने की जरूरत है जो मन से परे उस शक्ति को जान ले जो इस मन को भी चलाता है और इस हृदय का भी स्पन्दन करता है। उस शक्ति को जानने के बारे में कितनी भी बातें आप करिए और कितना ही इस पर प्रयत्न करें आप वहां तक नहीं पहुंच सकते। ये बात निःसन्देह है। ऐसे तो सभी ने यहीं लिखा है जो मैं कह रही हूं।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | हरिशंकर परसाई

हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध व्यंग्यकार और हास्यकार

हरिशंकर परसाई एक भारतीय लेखक थे, जिन्होंने हिंदी में लिखा। वह आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध व्यंग्यकार और हास्यकार थे और अपनी सरल और सीधी शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने व्यंग्य लिखा, जिसमें मानवीय मूल्यों और प्रकृति का वर्णन किया गया। उन्होंने उनकी आलोचनात्मक सोच और सरल चीजों को बड़े अर्थों के साथ वर्णित करने के विनोदी तरीके को प्रतिबिंबित किया। परसाई को उनके व्यंग्य 'विकलांग श्रद्धा का दौर' के लिए 1982 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1922 मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के इटारसी के पास जामनी गांव में हुआ था। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी में एम.ए. पूरा किया। कुछ समय तक नौकरी के साथ-साथ लेखन कार्य करने के बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी और लेखन को पूर्णकालिक करियर के रूप में अपना लिया। परसाई जी एक सफल व्यंग्यकार हैं। वे व्यंग्य के साथ-साथ भाषाओं में लिखने में भी कुशल हैं। उनकी रचनाओं में भाशार के शब्द, तत्सम शब्द शामिल होते हैं और विदेशी भाषाओं के शब्दों का चयन भी बहुत अधिक होता है। सहानुभूति और उल्लास का कुशल प्रयोग उनके व्यंग्य को पाठक के मन तक पहुंचाने में सफल हुआ है। इनकी भाषा में यत्र-सित्र विग्रह और कहावतों का प्रयोग हुआ है, जो भाषा में प्रवाहित हो गया है। परसाईजी की रचनाओं में व्यंग्यात्मक शैली, वर्णनात्मक शैली तथा कथा-शैली दर्शन है। वे जबलपुर में बस गए और वसुधा नामक एक साहित्यिक पत्रिका शुरू की। अत्यधिक प्रशंसा के बावजूद, प्रकाशन को आर्थिक नुकसान होने के बाद उन्हें पत्रिका बंद करनी पड़ी। रायपुर और जबलपुर से प्रकाशित हिंदी अखबार देशबंधु में हरि शंकर परसाई एक कॉलम 'पूछिए परसाई से' में पाठकों के जवाब दिया करते थे। उन्होंने अपने व्यंग्य 'विकलांग श्रद्धा का दौर' 'विकलांग श्रद्धा का दौर' के लिए 1982 में साहित्य अकादमी पुरस्कार जीता।परसाई की मृत्यु 10 अगस्त 1995 को जबलपुर में हुई। द हिंदू के अनुसार, अपनी मृत्यु के समय तक, परसाई ने हिंदी में व्यंग्य लेखन की कला में क्रांति ला दी थी।

जीवन ऊर्जा

हेनरी मौडस्ले : जन्म- 22 अगस्त, 1771 | जन्म

हेनरी मौडस्ले एक ब्रिटिश इंजीनियर थे जो अपने क्रांतिकारी मशीन टूल्स के लिए जाने जाते थे। सटीक इंजीनियरिंग में उनके काम ने विनिर्माण और मानकीकरण में बहुत सुधार किया। मौडस्ले के नवाचारों ने आधुनिक मशीनरी के लिए आधार तैयार किया और औद्योगिक क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जन्म 22 अगस्त, 1771 और निधन 14 फरवरी, 1831को हुआ था।

महान आविष्कार महान दृढ़ता से पैदा होते हैं

नवाचार वहीं से शुरू होता है, जहां आराम खत्म होता है। असंभव की चुनौती ही सच्ची प्रगति को प्रेरित करती है। महान आविष्कार महान दृढ़ता से पैदा होते हैं। हर समस्या में अवसर का बीज छिपा होता है। इंजीनियरिंग में सफलता अथक जिज्ञासा और रचनात्मकता से आती है। आज की तकनीक की सीमाएं कल की उपलब्धियों की सीमाएं हैं। विचार में सटीकता से सृजन में सटीकता आती है। इंजीनियरिंग केवल समस्याओं को हल करने के बारे में नहीं है, बल्कि समाधानों की कल्पना करने के बारे में है। उत्कृष्टता की खोज नवाचार की ओर एक कदम से शुरू होती है। हर विफलता एक बड़ी सफलता की ओर एक कदम है। दुनिया को बदलने के लिए, आपको पहले अपने दृष्टिकोण को बदलना होगा। सच्ची प्रगति तब होती है जब हम जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। आविष्कारक वे होते हैं जो संभावना देखते हैं जहां दूसरे बाधाएं देखते हैं। महान दिमाग वे होते हैं जो यथास्थिति पर सवाल उठाने का साहस करते हैं। गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता स्थायी सफलता की नींव है। हर चुनौती आविष्कार और सुधार का निमंत्रण है। आविष्कार निरंतर सुधार और खोज की यात्रा है। नवाचार की भावना असफल होने के साहस और सफल होने के दृढ़ संकल्प से प्रेरित होती है। नवाचार करना भविष्य की कल्पना करना और उसे वास्तविकता बनाना है। इंजीनियरिंग में सफलता प्रयोग करने के साहस और सीखने की बुद्धि से आती है। सच्चा नवाचार पूर्णता की निरंतर खोज से पैदा होता है। विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए दूरदर्शिता और कार्रवाई दोनों की आवश्यकता होती हर नवाचार एक साहसिक विचार और एक बहादुर दिल से शुरू होता है। महारत हासिल करने का मार्ग प्रयोग और दृढ़ता से प्रशस्त होता है। दूरदर्शी बाधाओं को अवसरों में और असफलताओं को सीढ़ी में बदल देते हैं। सफलता केवल लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें लगातार पुनर्परिभाषित करने के बारे में है।

प्रेरक प्रसंग

मेरे नाम का गुब्बारा !

एक बार पचास लोगों का ग्रुप किसी सेमीनार में हिस्सा ले रहा था। सेमीनार शुरू हुए अभी कुछ ही मिनट बीते थे कि स्पीकर अचानक ही रुका और सभी पार्टिसिपेंट्स को गुब्बारे देते हुए बोला , " आप सभी को गुब्बारे पर इस मार्कर से अपना नाम लिखना है। " सभी ने ऐसा ही किया। अब गुब्बारों को एक दुसरे कमरे में रख दिया गया। स्पीकर ने अब सभी को एक साथ कमरे में जाकर पांच मिनट के अंदर अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने के लिए कहा। सारे पार्टिसिपेंट्स तेजी से रूम में घुसे और पागलों की तरह अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने लगे। पर इस अफरा-तफरी में किसी को भी अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिल पा रहा था पांच मिनट बाद सभी को बाहर बुला लिया गया। स्पीकर बोला , " अरे! क्या हुआ , आप सभी खाली हाथ क्यों हैं ? क्या किसी को अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिला ?" " नहीं ! हमने बहुत ढूंढा पर हमेशा किसी और के नाम का ही गुब्बारा हाथ आया", एक पार्टिसिपेंट कुछ मायूस होते हुए बोला। कोई बात नहीं , आप लोग एक बार फिर कमरे में जाइये , पर इस बार जिसे जो भी गुब्बारा मिले उसे अपने हाथ में ले और उस व्यक्ति का नाम पुकारे जिसका नाम उसपर लिखा हुआ है। ", स्पीकर ने निर्दश दिया। एक बार फिर सभी पार्टिसिपेंट्स कमरे में गए, पर इस बार सब शांत थे , और कमरे में किसी तरह की अफरा-तफरी नहीं मची हुई थी। सभी ने एक दुसरे को उनके नाम के गुब्बारे दिए और तीन मिनट में ही बाहर निकले आये। स्पीकर ने गम्भीर होते हुए कहा , " बिलकुल यही चीज हमारे जीवन में भी हो रही है। हर कोई अपने लिए ही जी रहा है , उसे इससे कोई मतलब नहीं कि वह किस तरह औरों की मदद कर सकता है , वह तो बस पागलों की तरह अपनी ही खुशियां ढूंढ रहा है , पर बहुत ढूंढने के बाद भी उसे कुछ नहीं मिलता , दोस्तों हमारी ख़ुशी दूसरों की ख़ुशी में छिपी हुई है। जब तुम औरों को उनकी खुशियां देना सीख जाओगे तो अपने आप ही तुम्हे तुम्हारी खुशियां मिल जाएँगी।और यही मानव-जीवन का उद्देश्य है।"

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

आशा का साथ कभी न छोड़ें

रात का समय था। चारों ओर पूरा अंधेरा छाया हुआ था। केवल एक ही कमरा प्रकाशित था। वहाँ चार मोमबत्तियाँ जल रही थी।चारों मोमबत्तियाँ एकांत देख आपस में बातें करने लगी। पहली मोमबत्ती बोली, "मैं शांति हूँ, जब मैं इस दुनिया को देखती हूँ, तो बहुत दुःखी होती हूँ। चारों ओर आपा-धापी, लूट-खसोट और हिंसा का बोलबाला है। ऐसे में यहाँ रहना बहुत मुश्किल है। मैं अब यहाँ और नहीं रह सकती।" इतना कहकर मोमबत्ती बुझ गई। दूसरी मोमबत्ती भी अपने मन की बात कहने लगी, "मैं विश्वास हूँ, मुझे लगता है कि झूठ, धोखा, फरेब, बेईमानी मेरा वजूद ख़त्म करते जा रहे हैं। ये जगह अब मेरे लायक नहीं रही। मैं भी जा रही हूँ।" इतना कहकर दूसरी मोमबत्ती भी बुझ गई। तीसरी मोमबत्ती भी दुःखी थी। वह बोली, "मैं प्रेम हूँ, मैं हर किसी के लिए हर पल जल सकती हूँ। लेकिन अब किसी के पास मेरे लिए वक़्त नहीं बचा। स्वार्थ और नफरत का भाव मेरा स्थान लेता जा रहा है। लोगों के मन में अपनों के प्रति भी प्रेम-भावना नहीं बची। अब ये सहना मेरे बस की बात नहीं। मेरे लिए जाना ही ठीक होगा।" कहकर तीसरी मोमबत्ती भी बुझ गई।तीसरी बत्ती बुझी ही थी कि कमरे में एक बालक ने प्रवेश किया। मोमबत्तियों को बुझा हुआ देख उसे बहुत दुःख हुआ। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। दुःखी मन से वो बोला, "इस तरह बीच में ही मेरे जीवन में अंधेरा कर कैसे जा सकती हो तुम। तुम्हें तो अंत तक पूरा जलना था। लेकिन तुमने मेरा साथ छोड़ दिया। अब मैं क्या करूंगा?"बालक की बात सुन चौथी मोमबत्ती बोली, "घबराओ नहीं बालक, मैं आशा हूँ और मैं तुम्हारे साथ हूँ। जब तक मैं जल रही हूँ, तुम मेरी लौ से दूसरी मोमबत्तियों को जला सकते हो।"चौथी मोमबत्ती की बात सुनकर बालक का ढांढस बंध गया। उसने आशा के साथ शांति, विश्वास और प्रेम को पुनः प्रकाशित कर लिया। शिक्षाः-जीवन में समय एक जैसा नहीं रहता। कभी उजाला रहता है, तो कभी अँधेरा। जब जीवन में अंधकार आये, मन अशांत हो जाये, विश्वास डगमगाने लगे और दुनिया पराई लगने लगे। तब आशा का दीपक जला लेना। जब तक आशा का दीपक जलता रहेगा, जीवन में कभी अँधेरा नहीं हो सकता। आशा के बल पर जीवन में सब कुछ पाया जा सकता है। इसलिए आशा का साथ कभी ना छोडे

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

मेडिकल टेक्सटाइल में है करियर की बेहतरीन संभावनाएं

देश में इस समय कई ऐसे कॉलेज और विश्विद्यालय मौजूद हैं, जो इससे जुड़े कोर्स कराते हैं, जहां छात्रों को पाठ्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण, सुरक्षा मानक, स्वास्थ्य आदि से संबंधित विषयों को पढ़ाया जाता है। वहीं आप पॉलीटेक्निक डिप्लोमा के जरिये भी टेक्स्टाइल फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। वैसे इसके अलावा भी मेडिकल टेक्सटाइल में करियर बनाने के अलग विकल्प हैं, जिनके बारे में आगे समझेंगे।

ये हैं अन्य रास्ते

वहीं इसके लिये स्नातक स्तर पर भी कोर्स मौजूद हैं, जिन्हें बीटेक प्रोग्राम कहा जाता है, इनके जरिए भी टेक्स्टाइल फील्ड में करियर बनाया जा सकता है। वहीं स्नातकोत्तर की बात करें तो यहां टेक्स्टाइल क्षेत्र से जुड़े कोर्स की अवधि 2 साल होती है, जहां आप टेक्स्टाइल केमिस्ट्री, मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एमटेक) के जरिये भी अपना करियर बना सकते हैं। इसके साथ ही इस इंडस्ट्री के लिये डॉक्टर डिग्री कोर्स भी होता है, आप चाहे तो उसे भी कर सकते हैं।

टेक्स्टाइल, इंजीनियरिंग क्षेत्र का एक प्रकार है, वहीं यह क्षेत्र बहुत ही व्यापक है। मेडिकल टेक्सटाइल क्षेत्र मानव जीवन के लिये बेहद अहम है। यहां मानव जीवन की उन वस्तुओं का निर्माण होता है, जो जीवन बचाने में काम आती है। उदाहरण के तौर पर आप चोट लगने पर खून बन्द करने के लिये जिस पट्टी का प्रयोग सामान्यतः हम करते हैं, वह मेडिकल टेक्सटाइल के अंतर्गत आता है। वहीं आज हम आपको बतायेंगे कि आप इस फील्ड में अपना करियर कैसे बनायें।

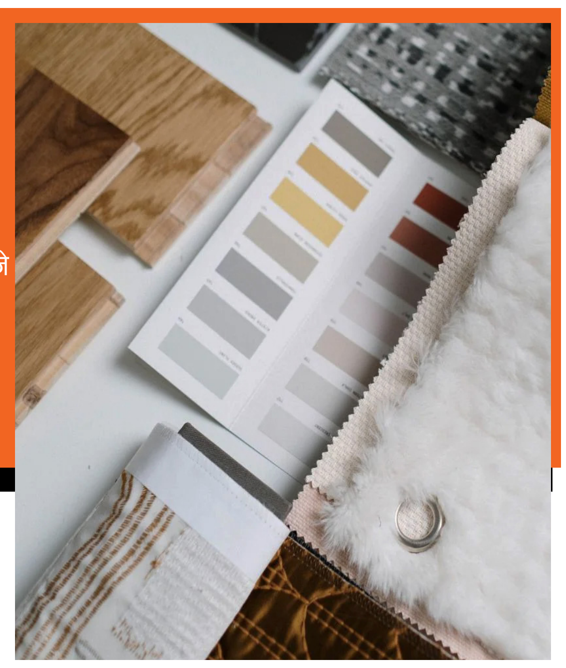

इन पदों पर होती है नियुक्ति

1) प्रोसेस इम्प्रूवमेंट इंजीनियर
2) मेडिकल टेक्सटाइल इंजीनियर
3) प्रोसेस इंजीनियर
4) ऑपरेशन ट्रेनी

टेक्स्टाइल इंजीनियरिंग के प्रवेश के लिये होने वाली परीक्षाएं

1) ऑल इंडिया कॉमन इंट्रेंस एग्जाम 2) आईआईटी-जेईई
3) उत्तर प्रदेश स्टेट एग्जाम 4) ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट
5) जेएनयू एंट्रेंस एग्जाम

स्टेटिस्टिक्स में कैसे बनाएं करियर

शैक्षणिक योग्यता

1. सांख्यिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कैंडिडेट को 12वीं की परीक्षा कॉमर्स या गणित विषय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक से पास की होनी चाहिए। इस फील्ड में कैंडिडेट स्नातक और मास्टर कोर्स कर सकते हैं। हालांकि कुह संस्थानों में डाइरेक्ट दाखिला बारहवीं में प्राप्त अंकों के आधार पर मिलता है। वहीं कुछ संस्थान में एडमिशन प्रवेश परीक्षा के तहत मिलता है।

2. प्रवेश परीक्षा में गणित और सांख्यिकी से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं। गणित विषय से स्नातक पास कैंडिडेट्स मास्टर्स स्तर पर स्टैटिस्टिक्स की पढ़ाई कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से स्टैटिस्टिक्स में ग्रेजुएशन की डिग्री जरुरी है। अगर शोध करना चाहते हैं तो मास्टर डिग्री से पास होना चाहिए ।

दाखिले की प्रक्रिया

सांख्यिकी की पढ़ाई के लिए इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टिट्यूट को सर्वोच्च संस्थान दिया गया है। इसका मुख्य कार्यालय कोलकाता में है। इस संस्थान की अन्य शाखाएं दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई में है। इन संस्थानों में एडमिशन लेने के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना होता है। प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद मेरिट के आधार पर दाखिला होता है। कोर्स में पीएचडी या फिर एमफिल की डिग्री ले सकते हैं।

रोजगार के अवसर

यह कोर्स करने के बाद रोजगार के भरपूर मौके मिलते हैं। सरकारी व प्राइवेट जगहों पर आसानी से नौकरी मिल जाती है। इस पढ़ाई के बाद सबसे बड़ा लाभ यह है कि 90 प्रतिशत नौकरी के मौके कैंडिडेट को मिल जाते हैं।

टीचिंग क्षेत्र

अगर आप स्टेटिस्टिक्स में टीचिंग प्रोफेशनल में जाना चाहते हैं तो आप स्टेटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद यूजीसी ने नेट एग्जाम या/ राज्य या केंद्र सरकार की भर्ती परीक्षाओं को पास करके भी आप शिक्षक या प्रोफेसर बन सकते हैं।

सरकारी क्षेत्र में कर सकतें है अप्लाई

इस क्षेत्र में सरकारी विभाग में नौकरी के अपार मौके हैं। जनसंख्या विभाग, जनगणना और संख्यिकी से जुड़े कार्य करने हो तो सरकारी विभाग में नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

RITES में मैनेजर के पदों पर निकली भर्ती

एज लिमिट 53 वर्ष, सैलरी ढाई लाख से ज्यादा

रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (RITES) ने ग्रुप जनरल मैनेजर और डिप्टी मैनेजर के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rites.com के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
उम्मीदवारों को संबंधित विषय में ग्रेजुएट होना चाहिए।
एमबीए/पीजीडीबीए/पीजीडीबीएम/पीजीडीएम/पीजीडीएचआरएम या फिर समकक्ष डिग्री।
ग्रुप जनरल मैनेजर के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास 23 वर्ष का अनुभव और डिप्टी मैनेजर के लिए 11 वर्ष का अनुभव जरूरी है।

आयु सीमा : ग्रुप जनरल मैनेजर : 53 वर्ष
डिप्टी मैनेजर : 41 वर्ष

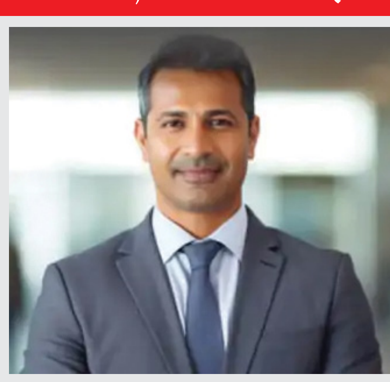

सैलरी : उम्मीदवारों को 70 हजार रुपए से लेकर 2 लाख 80 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस : इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
राइट्स की ऑफिशियल वेबसाइट rites.com/Career पर जाएं।
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई डिटेल्स भरकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
फॉर्म डाउनलोड करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रख लें।

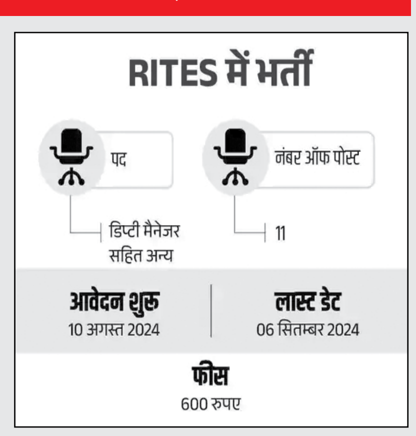

मुंबई महानगरपालिका में 1846 पदों पर निकली भर्ती

एज लिमिट 38 वर्ष, सैलरी 80 हजार से ज्यादा

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार वेबसाइट portal.mcgm.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन
उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास होना चाहिए।

आयु सीमा
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 38 वर्ष
अधिकतम आयु सीमा में आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

सैलरी
25,500-81,100 रुपए (पे मैट्रिक्स-एम15 + लागू भत्ते)

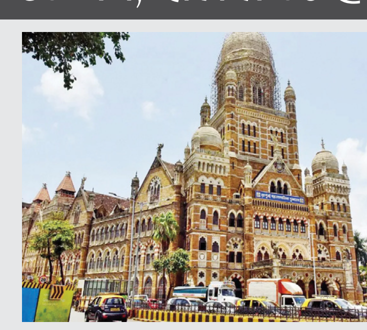

फीस
उम्मीदवारों को 1000 रुपए फीस का भुगतान करना होगा।
आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों के लिए फीस 900 रुपए है।

सिलेक्शन प्रोसेस
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन
ऑफिशियल वेबसाइट portal.mcgm.gov.in पर जाएं।
भर्ती सेक्शन में एक्टिव लिंक पर क्लिक करें।
सम्बन्धित अप्लीकेशन पेज पर जाकर अप्लाई करें।
आवेदन प्रक्रिया के अंतर्गत उम्मीदवारों को पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा।
रजिस्टर्ड डिटेल्स से लॉग-इन करके उम्मीदवार अप्लीकेशन सब्मिट कर सकेंगे।

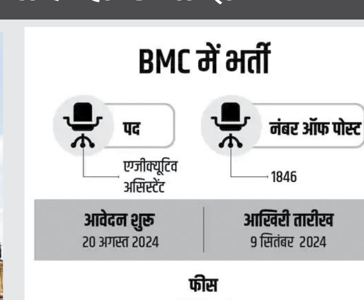

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना।

वृष: स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

मिथुन: लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी।

कर्क: पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

सिंह: लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा।

कन्या: कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे।

तुला: भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा।

वृश्चिक: यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें।

धनु: बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा।

मकर: प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा।

कुंभ: रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे।

मीन: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे।

रविवार व्रत की पौराणिक कथा

पड़ोसन ने उस बुढ़िया को आसपास न पाकर तुरंत उस गोबर को उठाया और अपने घर ले गई तथा अपनी गाय का गोबर वहां रख आई। सोने के गोबर से पड़ोसन कुछ ही दिनों में धनवान हो गई। गाय प्रति दिन सूर्योदय से पूर्व सोने का गोबर किया करती थी और बुढ़िया के उठने के पहले पड़ोसन उस गोबर को उठाकर ले जाती थी।

बहुत दिनों तक बुढ़िया को सोने के गोबर के बारे में कुछ पता ही नहीं चला। बुढ़िया पहले की तरह हर रविवार को भगवान सूर्यदेव का व्रत करती रही और कथा सुनती रही। लेकिन सूर्य भगवान को जब पड़ोसन की चालाकी का पता चला तो उन्होंने तेज आंधी चलाई। आंधी का प्रकोप देखकर बुढ़िया ने गाय को घर के भीतर बांध दिया। सुबह उठकर बुढ़िया ने सोने का गोबर देखा उसे बहुत आश्चर्य हुआ।

उस दिन के बाद बुढ़िया गाय को घर के भीतर बांधने लगी। सोने के गोबर से बुढ़िया कुछ ही दिन में बहुत धनी हो गई। उस बुढ़िया के धनी होने से पड़ोसन बुरी तरह जल-भुनकर राख हो गई और उसने अपने पति को समझा-बुझाकर उसे नगर के राजा के पास भेज दिया। सुंदर गाय को देखकर राजा बहुत खुश हुआ। सुबह जब राजा ने सोने का गोबर देखा तो उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा।

उधर सूर्य भगवान को भूखी-प्यासी बुढ़िया को इस तरह प्रार्थना करते देख उस पर बहुत करुणा आई। उसी रात सूर्य भगवान ने राजा को स्वप्न में कहा, राजन, बुढ़िया की गाय व बछड़ा तुरंत लौटा दो, नहीं तो तुम पर विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ेगा. तुम्हारा महल नष्ट हो जाएगा। सूर्य भगवान के स्वप्न से बुरी तरह भयभीत राजा ने प्रातः उठते ही गाय और बछड़ा बुढ़िया को लौटा दिया।

राजा ने बहुत-सा धन देकर बुढ़िया से अपनी गलती के लिए क्षमा मांगी। राजा ने पड़ोसन और उसके पति को उनकी इस दुष्टता के लिए दंड दिया। फिर राजा ने पूरे राज्य में घोषणा कराई कि सभी स्त्री-पुरुष रविवार का व्रत किया करें। रविवार का व्रत करने से सभी लोगों के घर धन-धान्य से भर गए, राजतय में चारों ओर खुशहाली छा गई। स्त्री-पुरुष सुखी जीवन यापन करने लगे तथा सभी लोगों के शारीरिक कष्ट भी दूर हो गए।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 4 लोगों की मौत

पटना। बिहार के पटना जिला के अंतर्गत बाढ़ में बुधवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। शौचालय की टंकी में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गयी है। शौचालय शटरिंग खोलने के दौरान चार मजदूरों की टंकी में फसने की वजह से मौत हो गयी है। यह घटना बाढ़ थाना क्षेत्र के पुराई बाग की है। पटना जिला के बाढ़ में शौचालय की शटरिंग खोलने के दौरान चार मज़दूरों की मौत हो गयी है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गया है। यह घटना बाढ़ थाना क्षेत्र पुराई बाग की है। स्थानीय लोगों ने इस घटना की खबर पुलिस को दी। चारों मजदूरों का शव टंकी से बाहर निकाला गया। बाढ़ के एसडीएम शुभम कुमार ने चारों मजदूरों की टंकी में मौत की पुष्टि की है।

बाइक सवार बदमाशों ने सोनपुर के IDBI बैंक में की दिनदहाड़े लूट

सारण। बिहार के सारण में सोनपुर के IDBI बैंक में लूट की घटना सामने आई है। जिसमे तीन बाइक सवार अपराधियों ने बैंक से लगभग 20 लाख रुपये लूट लिए। सोनपुर के गोलाबाजार स्थित आइडीबीआई बैंक से दिनदहाड़े बदमाशों ने बुधवार को करीब 19 लाख रुपये लूट लिये। दो बाइक पर सवार पांच-छह बदमाशों ने हथियार के बल पर घटना को अंजाम दिया और आसानी से फरार हो गये। एक अपराधी तो पैदल फरार होने में कामयाब रहा।प्राप्त जानकारी के अनुसार बैंक में पहुंचते ही हथियार का भय दिखाकर बदमाशों ने लूटपाट की घटना को अंजाम देना शुरू कर दिया।कुछ ही मिनट में लगभग 19 लाख रुपये लूट कर बदमाश आसानी से फरार हो गये।इसके बाद उनके भागने के दौरान दहशत फैलाने के उद्देश्य से बदमाशो ने लगातार चार बार फायरिंग की।

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों सहित चार की मौत

टोंक। राजस्थान के टोंक जिले में बुधवार को बड़ी खबर सामने आई है। उनियारा थाना क्षेत्र के मोहम्मद गढ़ गांव में चार युवकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसे का शिकार होकर जान गंवाने वालों चारों युवक मूल रूप से रघुनाथपुरा खुर्द के रहने वाले थे। भैंस को पानी से निकालने और एक-दूसरे के बचाने के चक्कर में चारों की जान चली गई। उनियारा थाना प्रभारी धर्मेंद्र दायमा बताया कि मरने वालों में दो सगे भाई है। विजय (16) पुत्र रामनिवास, विकास (18) पुत्र रामनिवास बैरवा, हंसराज (16) पुत्र श्योजी लाल और दिलकुश (18) पुत्र श्योजी लाल बैरवा निवासी रघुनाथपुर खुर्द बुधवार को मोहम्मद गढ़ तालाब के पास भैंसों को चराने के लिए गए हुए थे। तभी अचानक भैंसों को गहरे पानी में जाते देख एक युवक पानी में कूद गया।

चंपाई सोरेन ने किया नई पार्टी बनाने का ऐलान

हेमंत सोरेन से बगावत के बाद बड़ा फैसला

एजेंसी । जमशेदपुर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने साफ कर दिया है कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि वह अलग पार्टी बनाएंगे। अगर कोई साथी मिला, तो उसके साथ आगे बढ़ेंगे। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने चंपाई सोरेन के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। लोगों ने कहा- दादा आप आगे बढ़ें, हम आपके साथ हैं। चंपाई सोरेन आगे बढ़ें, हम आपके साथ हैं। झारखंड टाईगर जिंदाबाद के नारे भी लोगों ने लगाए।

सरायकेला के जिलिंगगोड़ा गांव में लोगों को चंपाई ने किया संबोधित

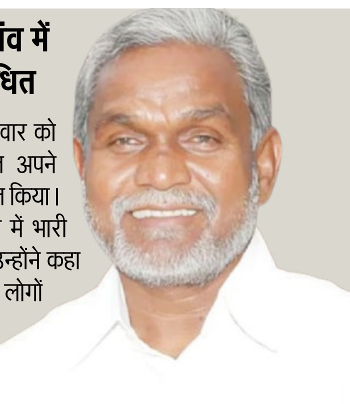

मंगलवार को कोलकाता से लौटने के बाद बुधवार को उन्होंने सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित अपने पैतृक गांव जिलिंगगोड़ा में एक सभा को संबोधित किया। जिलिंगगोड़ा गांव के उत्क्रमित फुटबॉल ग्राउंड में भारी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोलकाता से लौटने के बाद उनकी बहुत से लोगों से बातचीत हुई। कल रात भी 5000 से अधिक लोगों के साथ यहीं चौक पर बातचीत की। इसके बाद यह फैसला लिया है।

'जब मैं कुछ नहीं था, तब लोगों के हक के लिए लड़ता था'

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उन्होंने तय कर लिया है कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे। अगर आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाला कोई साथी मिलेगा, तो उनके साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि जब मैं कुछ भी नहीं था, तब भी यहां के मजदूरों के हक में आवाज बुलंद करता था। उनकी लड़ाई लड़ता था।

राजनीति से संन्यास के बारे में सोच रहे थे चंपाई सोरेन

इससे पहले मंगलवार की रात को उन्होंने कहा था कि उन्होंने एक बार तय किया था कि वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। लेकिन, उनके समर्थकों के उत्साह को देखते हुए अब उन्होंने तय किया है कि संन्यास नहीं लेंगे। जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने कोलकाता से लौटते समय जगह-जगह रुककर अपने समर्थकों के साथ बातचीत की और उसके बाद इस फैसले पर पहुंचे कि वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे। समान विचारधारा वाले दल के साथ काम करेंगे।

यूपी में भारत बंद का असर

सपा-बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे

एजेंसी । लखनऊ

हाईवे किया जाम, निकाला जुलूस

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले को लेकर यूपी के अलग-अलग जिलों में सपा, बसपा, कांग्रेस और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। अंबेडकरनगर में युवाओं ने नेशनल हाईवे जाम कर दिया जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। बलरामपुर में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला और नारेबाजी की। वहीं, झांसी में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर यूपी डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम से खुद तैयारियों को परखा और बंद की आड़ में हिंसा करने की साजिश करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि बंद को शांतिपूर्ण एवं प्रजातांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद हैं। फिलहाल पूरे प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और संगठनों के ज्ञापन अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं। डीजीपी मुख्यालय द्वारा जिलों को आठ कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बल मुहैया कराया गया है। जिलों में भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार भ्रमण कर रहे हैं। जो भी उपद्रवी तत्व गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बांदा नेशनल हाईवे जाम

अंबेडकरनगर में युवाओं ने बुधवार सुबह नेशनल हाईवे जाम कर दिया। आरक्षण में क्रीमी लेयर तय करने के फैसले पर प्रतिक्रिया के स्वरूप बड़ी तादाद में पहितीपुर बाजार के निकट युवक एकत्र हुए और टांडा से बांदा नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इससे बड़ी तादाद में वाहन वहां फंस गए। इसमें एंबुलेंस के साथ ही स्कूली वाहन शामिल रहे। जाम की खबर पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया। इससे पहले करीब एक घंटे तक वहां मार्ग जाम रहा।

मुख्य डाकघर में सीबीआई का छापा

व्हाट्सएप ग्रुप पर सुसाइड नोट लिखकर अधीक्षक ने खुद को गोली से उड़ाया

एजेंसी । बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के मुख्य डाकघर में सीबीआई के छापे से घबराए पोस्ट ऑफिस के सुपरिटेंडेंट ने बुधवार सुबह गोली मार कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट लिखकर दफ्तर के व्हाट्सएप ग्रुप पर भी डाला है। इसमें कई कर्मचारियों का नाम लिखकर अपनी मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। सीबीआई गाजियाबाद की एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार शाम लगभग चार बजे बुलंदशहर नगर स्थित मुख्य डाकघर पर पहुंची और डाकघर परिसर में छापा मार कार्यवाही शुरू की थी। आज सुबह चार बजे तक छापेमारी जारी रही। इसी दौरान पोस्ट ऑफिस सुपरिटेंडेंट टीपी सिंह से भी सुबह चार बजे तक पूछताछ की गई।

एसडीएम को ही दनादन लाठी दे बैठे सिपाही

एजेंसी । पटना

सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी कोटा के अंदर कोटा दिये जाने के फैसले को लेकर दलित व आदिवासी संगठनों ने बुधवार को भारत बंद कराया है। बिहार में भी बुधवार को इसका मिला-जुला असर दिखा। कहीं रेल सेवा बाधित की गयी तो कहीं सड़क मार्ग जाम किया गया। पुलिस मुख्यालय की तरफ से जिलों को पहले ही अलर्ट किया गया था। वहीं पटना में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने की नौबत आ पड़ी। इस दौरान पटना पुलिस के सिपाही ने पटना के एसडीएम पर ही डंडा बरसा दिया। जिससे एसडीओ भी अचंभित रह गए।

पटना में पुलिस ने लाठीचार्ज किया

पटना में भारत बंद को सफल बनाने के लिए प्रदर्शनकारी बुधवार को शहर के डाकबंगला चौराहा पर जमा हुए। यहां प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर खड़े वाहनों को अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया। कुछ वाहनों को प्रदर्शनकारियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आ गयी और लाठीचार्ज कर दिया। पटना के एसडीएम भी गलती से इस लाठीचार्ज का शिकार बन गए।

जब एसडीओ पर ही पड़ गयी सिपाही की लाठी

दरअसल, प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस लाठियां चटका रही थी। इस दौरान पटना के एसडीएम श्रीकांत खण्डलेकर भी सड़क पर मौजूद थे। प्रदर्शकारियों को समझा रहे थे। प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे प्रचार वाहन का जेनरेटर बंद करवा रहे थे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते हुए कुछ पुलिसकर्मी आगे बढ़े। इनमें एक सिपाही ने भूलवश दो लाठी एसडीएम श्रीकांत खण्डलेकर को ही दे दी। जिससे एसडीओ भी अचंभित रहे। उन्होंने फौरन सिपाही को समझाया।

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत

एजेंसी । रांची

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में आरोपी रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन को बुधवार को राहत मिल गयी। हाईकोर्ट से उन्हें जमानत मिल गयी है। चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन के फर्जीवाड़े से जुड़े मामले में उनकी ओर से दायर जमानत याचिका पर अदालत ने फैसला सुनाया। हालांकि वे जमानत मिलने के बाद भी एक अन्य केस में जेल में ही रहेंगे। चार मई 2023 को ईडी ने छवि रंजन को गिरफ्तार किया था।

छवि रंजन की जमानत पर अदालत ने सुनाया फैसला

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने छवि रंजन की जमानत पर बुधवार को फैसला सुनाया। प्रार्थी छवि रंजन की ओर से जमानत याचिका दायर कर चेशायर होम रोड की जमीन के फर्जीवाड़े से जुड़े मामले में जमानत देने की मांग की थी। अदालत ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

22 ठिकानों पर ईडी ने की थी छापेमारी

प्रवर्तन निदेशालय ने छवि रंजन और बड़गाईं अंचल के राजस्व उपनिरीक्षक सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल 2023 को छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन की फर्जी डीड, मुहर समेत अन्य कागजात बरामद किए गए थे।

ईडी ने दाखिल कर दिया है आरोप पत्र

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में इसीआइआर-5/ 2023 दर्ज किया है। रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, व्यवसायी अमित कुमार अग्रवाल, प्रेम प्रकाश सहित 10 आरोपियों के खिलाफ ईडी ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।

भलदरिया दरी में एक सैलानी बहा

एजेंसी । मिर्जापुर

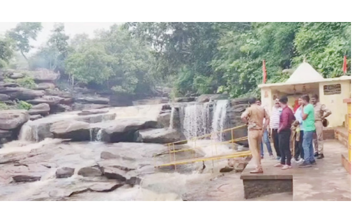

मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र के बैजू बाबा आश्रम भलदरिया दरी के पास बुधवार की दोपहर पानी के बहाव में वाराणसी के छह सैलानी बहने लगे। इसमें पांच को बचा लिया गया है। एक युवक बह गया। उसकी तलाश के लिए टीमें लगी है। बनारस से छह युवक आनंद गुप्ता, बिज्जू जायसवाल, दिलीप जायसवाल, अमित पटेल, वीरेंद्र सिंह, राजिंद्र वर्मा पर्यटन स्थल भलदरिया बैजू बाबा आश्रम के पास पिकनिक मनाने आए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से आनंद गुप्ता निवासी शरीकपुर सोनारपुरा भेलूपुर वाराणसी बह गया। जबकि पांच लोगों को मौके से बचा लिया गया। घटना की सूचना देकर ई- रेस्क्यू टीम बुलाई गई। लापता युवक की गोताखोर तलाश कर रहे हैं। हादसा अचानक जलप्रपात में पानी बढ़ने से हुआ है। घटना से मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

व्यापार जगत

तीन महीने में खत्म होगा ईपीएफओ पोर्टल से जुड़ी समस्या

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े लोगों की परेशानी को ध्यान में रखकर नया आईटी सिस्टम 2.01 लाने का फैसला लिया गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देश पर तय किया गया है कि पोर्टल और ऐप से जुड़ी समस्याओं को हर हाल में तीन महीने के अंदर दूर किया जाएगा। नया सिस्टम आने के बाद पोर्टल पर लॉगिन करने से लेकर दावा करने और उनका निस्तारण करने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाएगी। इसके साथ ही नया सिस्टम आने पर नौकरी बदलने पर सदस्य आईडी (एमआईडी) के स्थानांतरण की आवश्यकता नहीं होगी।

मौजूदा ईपीएफओ पोर्टल को लेकर कई सारी समस्याएं

मौजूदा ईपीएफओ पोर्टल को लेकर कई सारी समस्याएं आ रही हैं। इसको लेकर लोग सोशल मीडिया के जरिए भी लगातार शिकायतें कर रहे हैं। ईपीएफओ से जुड़े सदस्यों की शिकायत रही है कि पोर्टल पर एक बार लॉगिन नहीं होता है। अगर लॉगिन हो भी जाता है तो फिर से केवाईसी अपडेट मांगता है, जबकि केवाईसी अपडेट पहले भी कई बार किया जा चुका है। सबसे ज्यादा शिकायतें सर्वर के धीमा काम करने को लेकर है, जिसके चलते ईपीएफओ के सदस्य धनराशि निकालने के लिए दावा (क्लेम) भी नहीं कर पाते हैं। पास बुक निकालने और बैलेंस देखने की प्रक्रिया भी धीमी हो गई है। ईपीएफओ से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं, जिससे पोर्टल पर पंजीकृत होने वाले सदस्यों का डाटा लगातार फीड किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मौजूदा वक्त में जिस आईटी सिस्टम पर ईपीएफओ का पोर्टल काम कर रहा है, उसकी क्षमता सीमित है। जैसे-जैसे सदस्यों की संख्या बढ़ रही है और उनका डाटा फीड हो रहा है तो उससे पोर्टल धीमा काम कर रहा है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ।

मौजूदा सिस्टम की वजह से होने वाले परेशानी

- पोर्टल पर लॉगिन करने में समय अधिक लगता है।
- लॉगिन होने के बाद किसी भी तरह का दावा करने में लंबा समय लगता है।
- ईपीएफओ सदस्यों की तरफ से निकासी के लिए किए जाने वाले दावों का समय पर निस्तारण नहीं।
- कई बार पंजीकृत नंबर से मिस कॉल करने पर सदस्य को बैलेंस की जानकारी का मैसेज प्राप्त नहीं होता।
- केवाईसी अपडेट करने की प्रक्रिया पूरा करने में भी लोगों को परेशानी।

नए सिस्टम आने से क्या होगा सुधार

- खाते से धनराशि की निकासी से जुड़े दावे से लेकर निकासी तक की प्रक्रिया ऑटो प्रोसेसिंग मोड पर होगी।
- सभी पेंशनभोगियों को एक निर्धारित तिथि पर पेंशन जारी होगी।
- यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) आधारित ईपीएफओ बैलेंस देखने और पासबुक को निकालने की प्रक्रिया आसान होगी।
- पुनर्गठित इलेक्ट्रॉनिक चालान सह-रसीद (ईसीआर) व दावों का निपटारा केंद्रीकृत होगा।
- नौकरी बदलने पर सदस्य आईडी (एमआईडी) के स्थानांतरण की आवश्यकता नहीं होगी। पुराने संस्थान एवं कंपनी की जमा धनराशि यूएएन नंबर के आधार पर स्वयं नए नंबर पर ट्रांसफर

- ईपीएफओ के मौजूदा सिस्टम की जगह नया 2.01 आईटी सिस्टम लाने की समय सीमा की गई तय
- मौजूदा वक्त में ऐप और पोर्टल के जरिए ईपीएफओ की कई सेवाओं का लाभ उठाने में हो रही परेशानी

सेंसेक्स 102 अंक चढ़ा

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को भी तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से अधिक के लाभ में रहा। घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत लिवाली के बीच दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और स्वास्थ्य क्षेत्र के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। कारोबारियों के अनुसार, हालांकि अमेरिका में फेडरल रिजर्व की बैठक का ब्योरा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में सतर्क रुख के बीच हाल में विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी ने घरेलू बाजार में तेजी पर कुछ अंकुश लगाया। बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे दिन तेजी रही और यह 102.44 अंक चढ़कर 80,905।30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 149.97 अंक तक चढ़ गया था। एनएसई निफ्टी में पांचवें दिन तेजी रही और यह 71.35 अंक की बढ़त के साथ 24,770.20 अंक पर बंद हुआ।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने अमेजन के निवेश पर उठाए सवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि भारत में अमेजन जैसी कंपनियां निवेश करके देश की अर्थव्यवस्था को सहयोग नहीं कर रही है। इन कंपनियों द्वारा नौकरी देने के किए जा रहे दावों को जांचने की जरूरत है। बुधवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सशक्त बनाने, नए परिवर्तन लाने और उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन है लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि परंपरागत खुदरा बाजार को कोई नुकसान न हो। हम यह सुनिश्चित कराएंगे कि बाजार हिस्सेदारी की दौड़ में छोटे खुदरा विक्रेताओं के सामने कोई रुकावट न हो।

सेंट्रल बैंक फ्यूचर की हिस्सेदारी का सफल बोलीदाता

एजेंसी । नई दिल्ली

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कर्ज में डूबी फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड के जीवन व साधारण बीमा उद्यम में हिस्सेदारी अधिग्रहण के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और फ्यूचर जनरली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में एफईएल की श्रेणी-1 परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए लेनदारों की समिति ने सफल बोलीदाता घोषित किया है। फ्यूचर एंटरप्राइजेज के पास फ्यूचर जनरली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी में 25 प्रतिशत और फ्यूचर जनरली लाइफ इंश्योरेंस में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आरबीआई जलवायु परिवर्तन से निपटने को बनाएगा नियामक

एजेंसी । नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक एक नियामक और पर्यवेक्षी ढांचा स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह नियामक सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की रोकथाम और उससे होने वाले नुकसान से निपटने में सरकार को सहयोग प्रदान करना होगा। इसके साथ ही, जलवायु जोखिमों के खिलाफ भुगतान प्रणाली में लचीलापन लाने की दिशा में भी काम करेगा, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ-2) उत्सर्जन को कम करने के लिए किए जा रहे कार्यों को आसानी से वित्तीय सहायता मिल सके।

रुपया 14 पैसे टूटकर 83.91 प्रति डॉलर पर

एजेंसी । मुंबई

विदेशी कोषों की सतत निकासी और स्थानीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 83.91 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, कमजोर अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की कीमतों के निचले स्तर ने स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर सहारा दिया। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में सुधार के कारण रुपए में गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से भी रुपए पर दबाव पड़ा। हालांकि, कच्चे तेल की कमजोर कीमतों ने इस गिरावट पर कुछ अंकुश लगाया।

पेरिस पैरालंपिकः सुमित अंतिल की अगुआई में पहला जत्था पेरिस पैरालंपिक 2024 के लिए रवाना हुआ

भारतीय पैरा एथलीटों की नजरें 12 पदक पर

- 19 रिकॉर्ड पदक (5 स्वर्ण, आठ रजत, छह कांस्य) भारत ने टोक्यो पैरालंपिक 2021 में जीते थे
- 12 खेलों में हिस्सा लेने के लिए भारत 84 खिलाड़ियों की अब तक की सबसे बड़ी टीम भेज रहा है
- 25 पदक कुल जीतने की भविष्यवाणी भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया ने की है

एजेंसी । नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के बाद खेलप्रेमियों की निगाहें पेरिस पैरालंपिक पर टिक गई हैं। इसके लिए पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारतीय एथलीटों का पहला जत्था स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुआई में रवाना हो गया है। हालांकि भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया ने इन खेलों में कम से कम कुल 25 पदक जीतने की भविष्यवाणी की है।

अंतिल और भाग्यश्री उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक होंगे

अंतिल और हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की गोला फेंक एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भाग्यश्री जाधव उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक होंगे जो पहली बार किसी स्टेडियम के बाहर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह चैंप्स-एलिसीस से पेरिस के मध्य में प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड तक आयोजित किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह भी सीन नदी के तट पर स्टेडियम के बाहर आयोजित किया गया था जो खेलों के इतिहास में पहली बार हुआ था।

नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रैक्टिस

पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने बताया, सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे। नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है। इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। सत्यनारायण ने कहा, कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

सबसे बड़ी टीम

भारत ने 2021 में तोक्यो पैरालंपिक में रिकॉर्ड 19 पदक (पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य) जीते थे। हालांकि भारत पैरालंपिक में 12 खेलों में 84 खिलाड़ियों की अपनी अब तक की सबसे बड़ी टीम भेज रहा है जिसमें 38 पैरा एथलीट भी शामिल हैं। परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं। देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे। खेलों का समापन समारोह 8 सितंबर को होगा। अपना खिताब बचाने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास ही सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस 8 सितंबर तक 'स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।

सतीश कुमार जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में

- *थाईलैंड के खिलाड़ी से होगा सामना*

एजेंसी । टोक्यो

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरन बुधवार को जापान ओपन के पुरष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। पहले दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के मैच के बीच में चोटिल होने के कारण हटने पर सतीश ने प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 23 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी जब 6-1 से आगे चल रहे थे तब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंटोनसन ने योकोहामा एरेना में मुकाबले के तीसरे मिनट में ही हटने का फैसला किया। दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सतीश प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के केंटाफोन वैंगचेरोएन से भिड़ेंगे। किरण जॉर्ज को हालांकि इस सुपर 750 टूर्नामेंट के पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के केंता सुनेयामा के खिलाफ 19-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी का भी अभियान खत्म हो गई।

संदेश झिंगन इंटरकॉन्टिनेंटल कप के लिए संभावित खिलाड़ियों में नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए तैयार है। इस टूर्नामेंट के लिए 26 सदस्यीय संभावित टीम का एलान कर दिया गया है। सेंटर-बैक और सुनील छेत्री के जाने के बाद स्टैंड इन कैप्टन संदेश झिंगन को भारत के नए मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने इस संभावित टीम में नहीं लिया है। वहीं, ईस्ट बंगाल की तरफ से खेलने वाले ईरान के फुटबॉलर जमशेद नासिरी के बेटे और चेन्नईयिन एफसी के फॉरवर्ड कियान नासिरी के रूप में नया चेहरा टीम में शामिल किया गया है।

U17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

भारत के रौनक दहिया ने जीता कांस्य

- *ग्रीको-रोमन के 110 किग्रा वर्ग में मिला पदक*

एजेंसी । अम्मान

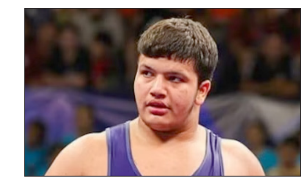

भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 110 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य पदक जीता। कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में रौनक ने मंगलवार को चैंपियनशिप में तुर्किये के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हरा दिया। यह भारत का इस टूर्नामेंट में पहला पदक रहा। रौनक वर्तमान में अपने आयु-समूह भार वर्ग में दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता जेल्टन कजाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। अगर साईनाथ पारधी दो मुकाबले जीत जाते हैं तो भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरे पदक का मौका होगा। उन्हें पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो के खिलाफ खड़ा किया गया है।

मुंबई के मैदानों से

पंकज अडवाणी चैंपियन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पंकज अडवाणी अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए खार जिमखाना पर खेले जा रहे सीआर रियल्टी-वेस्टर्न इंडिया बिलियर्ड्स एंड स्नूकर चैंपियनशिप के स्नूकर एकल के खिताब पर कब्जा कर लिया। इसके पहले पंकज बिलियर्ड्स के फाइनल में एस श्रीकृष्णा को पराजित करके अपने जीत का परचम फहराया था। इसी के साथ 27 बार विश्वविजेता रह चुके पंकज बिलियर्ड्स के साथ-साथ स्नूकर के खिताब को हासिल करके दोहरी सफलता दर्ज की। स्नूकर के फाइनल में पंकज ने रेलवे के कमल चावला को दस फ्रेम तक फाइनल मुकाबले में 11-72(51), 31-58(38), 95(69)-40), 52-42, 69-43, 43-74(61), 22-59, 75(55)-62(40), 84-58, 58-10 से पटकनी दी। सेमीफाइनल में कमल चावला ने एस श्रीकृष्णा को 119(58)-18, 41-46, 51-60, 82-39, 73(54)-0, 86(86) -20, 62-40 से और पंकज अडवाणी ने फैजल खान को 131(115)-0, 85(53)-43, 82-53, 58-41, 59-83, 70-35 से हराया था।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद

भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम की पदक संभावनाओं के बारे में उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य कम से कम पांच स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीतना है। यह पैरालंपिक में हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। सत्यनारायण की उम्मीदें मई में जापान के कोबे में 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अभूतपूर्व सफलता से जुड़ी हैं जहां भारत छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर रहा था। वहां अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी20), सचिन खिलाड़ी (पुरुष गोला फेंक एफ46), एकता भयान (महिला क्लब थ्रो एफ51), सिमरन शर्मा (महिला 200 मीटर टी12) और मरियप्पन थंगावेलु (पुरुष ऊंची कूद टी42) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

नीरज ने कुछ नया करने से मना कियाः अंतिल

नई दिल्ली। हाल में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए। भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। अंतिल ने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतर्क हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी है और मैं पदक के साथ लौटने का प्रयास करूंगा। हरियाणा के भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था।

रणवीर सिंह की 'डॉन 3' में नजर आएंगी शोभिता धुलिपाला

जब से फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'डॉन' की तीसरी किस्त 'डॉन 3' का ऐलान हुआ है, यह लगातार चर्चा में है। इस फिल्म के तीसरे भाग के लिए रणवीर सिंह को चुना गया है। फिल्म में उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ नजर आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर और कियारा के साथ फिल्म 'डॉन 3' में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला भी नजर आएंगी। फरहान ने उन्हें फिल्म में एक आइटम गाना में डांस करने के लिए संपर्क किया है।

आइटम गाने पर डांस करती दिखेंगी शोभिता

एक रिपोर्ट के मुताबिक, शोभिता फिल्म 'डॉन 3' में एक आइटम गाने पर डांस करती हुई नजर आएंगी, जिसे लेकर प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। फरहान और शोभिता के बीच बातचीत लगातार जारी है और दोनों के बीच कई मुलाकातें भी हो चुकी हैं। कहा जा रहा है कि शोभिता ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। फिलहाल निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इन दिनों शोभिता अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने 8 अगस्त को अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु के पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य से सगाई की है। काम के मोर्चे पर बात करें तो शोभिता ने साल 2016 में आई फिल्म 'रमन राघव 2.0' से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था। अमेजन प्राइम वीडियो की चर्चित वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' के जरिए शोभिता ने OTT की दुनिया में कदम रखा था।

'कल्कि 2898 AD' का हिंदी संस्करण नेटफ्लिक्स पर होगा रिलीज

प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म 'कल्कि 2898 AD' इसी साल 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 294.25 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था, वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 1,100 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। अब 'कल्कि 2898 AD' अपनी OTT रिलीज को तैयार है। आइए जानते हैं फिल्म का हिंदी संस्करण कब और कहां रिलीज होगा।

हिंदी में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

नागा अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल्कि 2898 AD' सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर आगामी 22 अगस्त से तमिल, तेलुगु और मलायालम भाषा में स्ट्रीम होगी, वहीं 'कल्कि 2898 AD' का हिंदी संस्करण OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। इस फिल्म को 600 करोड़ रुपये की लागात में बनाया गया है। फिल्म में कमल हासन और दिशा पाटनी जैसे कलाकार भी नजर आए थे।

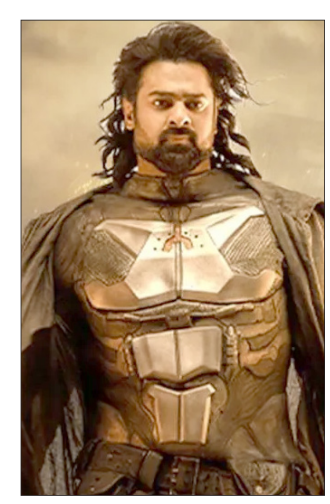

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन का ऐलान

अभिनेता और कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। दर्शक पिछले कुछ समय से इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो गया है। दरअसल, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है।'

रिलीज तारीख से जल्द उठेगा पर्दा

कपिल ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' का प्रोमो साझा करते हुए लिखा, 'अब शनिवार होगा 'फनीवार' क्योंकि कपिल और उनकी गैंग डबल मस्ती और हंसी के साथ इस बार आ रहे हैं। सीजन 2 जल्द आ रहा है।' इस शो में कपिल के साथ कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और राजीव ठाकुर भी नजर आते हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

पहले सीजन में थे केवल 13 एपिसोड

जब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' शुरू हुआ था तो इसके बारे में कई तरह की अफवाएं उड़ी थीं। दावा किया गया था कि दर्शकों से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण शो को तय समय से पहले ही बंद किया जा रहा है। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इन अफवाहों का खंडन किया था।

अक्षय कुमार और सिद्धार्थ आनंद आए साथ

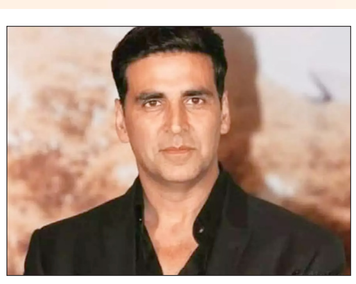

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार के सितारे गर्दिश में हैं। उन्हें काफी समय से कोई हिट फिल्म का मुंह देखने को नहीं मिला है। अक्षय की हालिया रिलीज 'खेल खेल में' भी बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई। इससे पहले आई उनकी फिल्म 'सरफिरा' भी टिकट खिड़की पर पहले ही दिन पस्त हो गई थी। अब खबर है कि अक्षय ने 'पठान' और 'वॉर' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद से हाथ मिलाया है।

सिद्धार्थ लगाएंगे फिल्म पर पैसा

अक्षय और सिद्धार्थ पिछले कुछ समय से एक फिल्म पर चर्चा कर रहे थे। अब आखिरकार दोनों का प्रोजेक्ट फाइनल हो गया है। सिद्धार्थ इस फिल्म पर पैसा लगाएंगे। यह उन्हीं के प्रोडक्शन हाउस मार्फलिक्स के बैनर तले बनाई जाएगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो जल्द इस पर काम चालू हो जाएगा। मिलन लुथारिया इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। एक्शन से लबरेज इस फिल्म के लेखक रजत अरोड़ा हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की स्क्रिप्ट फाइनल हो गई है। फिल्म को लेकर अक्षय बेहद उत्साहित हैं। सिद्धार्थ भी पहली बार अक्षय के साथ काम करने वाले हैं और वह भी खिलाड़ी कुमार के साथ अपनी इस नई यात्रा को लेकर रोमांचित हैं।

फॉलोअर्स की रेस में श्रद्धा ने मोदी को छोड़ा पीछे

मौजूदा वक्त में श्रद्धा कपूर अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता का आनंद उठा रही हैं। इस हॉरर कॉमेडी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 254.55 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। 'स्त्री 2' की ब्लॉकबस्टर सफलता से श्रद्धा की लोकप्रियता में और भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई और इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ गई है। इसी के साथ फॉलोअर्स की रेस में श्रद्धा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पीछे छोड़ दिया है।

श्रद्धा कपूर की बढ़ी लोकप्रियता

'स्त्री 2' की सफलता के बीच श्रद्धा के इंस्टाग्राम पर 9.14 करोड़ प्रशंसक हो गए हैं, वहीं प्रधानमंत्री को इंस्टाग्राम पर 9.13 करोड़ लोग फॉलो करते हैं।

ऐसे में श्रद्धा ने फॉलोअर्स की रेस में प्रधानमंत्री को पीछे छोड़ दिया है। बॉलीवुड अभिनेत्रियों की सूची में इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स प्रियंका चोपड़ा के हैं। उन्हें 9.18 करोड़ से ज्यादा लोग इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं।

'स्त्री 2' में नजर आ रहे ये सितारे

'स्त्री 2' की बात करें तो यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने कैमियो किया है। फिल्म के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है। बता दें कि 'स्त्री 2' साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की दूसरी किस्त है।

न्यूज़ ब्रीफ

28 अगस्त तक बढ़ाई गई के. कविता की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत 28 अगस्त तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के सामने सीबीआई ने बुधवार को कविता को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया। इसके अलावा सीबीआई के मुख्य मामले की सुनवाई 28 अगस्त को होगी। साथ ही कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में के. कविता की न्यायिक हिरासत दो सितंबर को समाप्त हो रही है। ज्ञात हो कि, मंगलवार को अदालत ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सात दिनों के लिए 27 अगस्त तक बढ़ा दी थी।

फैक्ट्री में धमाका : 4 की मौत, 18 घायल

अनाकापल्ले। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ले जिले की फैक्ट्री में बुधवार को धमाका हो गया। हादसे में 4 वर्कर्स की मौत हो गई और 18 से अधिक घायल हो गए। घटना अच्युतापुरम SEZ की फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट की है। घायलों को इलाज के लिए एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब धमाका हुआ तब लंच टाइम चल रहा था और ज्यादातर वर्कर्स बाहर थे।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए कमान एवं नियंत्रण केंद्र स्थापित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की जांच के लिए बुधवार को कमान एवं नियंत्रण केंद्र स्थापित किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक गलत सूचना के प्रसार को रोकने और चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाए रखने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालयों में ये केंद्र स्थापित किए गए हैं। बयान के मुताबिक सभी 20 उपायुक्त कार्यालयों में भी 24 घंटे नियंत्रण कक्ष कार्यशील रहेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस कमान और नियंत्रण केंद्र सभी चुनाव संबंधी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखेंगे तथा फर्जी खबरों के किसी भी संदिग्ध मामले सहित त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पीके पोले ने सभी नागरिकों और दलों से केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है।

IAF फाइटर जेट का गलती से पोखरण के पास एयर स्टोर छोड़ना पड़ा भारी

नई दिल्ली। पोखरण फायरिंग रेंज क्षेत्र के पास भारतीय वायु सेना (IAF) के लड़ाकू विमान का एक एयर स्टोर अनजाने में छूट गया। मामले की जांच के लिए IAF द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए हैं।' घटना में कोई जान-माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने लड़ाकू विमान को लेकर जानकारी दी है। यह घटना एक नियमित ऑपरेशन के दौरान हुई जब एयर स्टोर - आमतौर पर विमान की तरफ से ले जाए जाने वाले युद्ध संबंधी समान बम या अन्य सैन्य उपकरणों को ले जा रहा था।

कोलकाता दुष्कर्म-हत्या केस

2 ACP समेत 3 पुलिस अफसर सस्पेंड

CISF ने अस्पताल की सुरक्षा संभाली

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ ED जांच की मांग

एजेंसी | कोलकाता/नई दिल्ली

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को 2 असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर समेत 3 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। 15 अगस्त को देर रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हजारों की भीड़ ने तोड़फोड़ की थी। कार्रवाई उसी मामले में की गई है।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा CISF ने अपने हाथ में ले ली है। CISF के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कोर्ट ने अस्पताल में तोड़फोड़ के बाद CISF को सुरक्षा संभालने का निर्देश दिया था। उधर, अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली ने कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ याचिका लगाई है। अली ने घोष पर कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ED से जांच कराने की मांग की है।

AAP ने पहली बार ममता के खिलाफ प्रदर्शन किया

सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन 10वें दिन भी जारी है। कोलकाता, दिल्ली और अन्य शहरों में भी डॉक्टरों ने आज काम नहीं किया। AIIMS दिल्ली ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कमेटी बनाई है। इसके अलावा बुधवार को कोलकाता में भाजपा और कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। ममता के खिलाफ पहली बार आम आदमी पार्टी (AAP) ने भी पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कलकत्ता हाईकोर्ट में 4 सितंबर को सुनवाई होगी

रेप-मर्डर केस में बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की जांच के लिए SIT बनाई है। यह उन्हें बचाने के लिए एक दिखावा है। हालांकि कोर्ट ने कहा, हम इस मामले को अब 4 सितंबर को सुनेंगे। उधर बंगाल सरकार ने मामले से जुड़ी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने की बात कही। इस पर हाईकोर्ट चीफ जस्टिस टीएस शिवगनम ने कहा, मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है। रिपोर्ट अपने पास रखिए इसे सुप्रीम कोर्ट में दिखाइए। हाईकोर्ट में पिछली सुनवाई 16 अगस्त को हुई थी। तब चीफ जस्टिस टीएस शिवगनम ने राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा था कि अस्पताल में तोड़फोड़ के लिए 7 हजार की भीड़ आई थी। पुलिस क्या कर रही थी? पुलिस खुद को नहीं बचा पा रही, तो डॉक्टर निडर होकर कैसे काम करेंगे।

आरोपी संजय रॉय का लाई डिटेक्टर टेस्ट होगा

ट्रेनी डॉक्टर से रेप-हत्या का आरोपी संजय रॉय का लाई डिटेक्टर टेस्ट होगा। कोलकाता की अदालत ने CBI को इसकी इजाजत दे दी है। संजय 10 अगस्त से पुलिस गिरफ्त में है।

आरोपी ने डॉक्टर का बुरी तरह शोषण किया

अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले नई जानकारी सामने आई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गला घोंटकर पीड़ित की हत्या की गई थी। वहीं, बुधवार (21 अगस्त) को पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पत्नी डोना के साथ कोलकाता में डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन में और मार्च में शामिल होंगे। पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को 12 अगस्त को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें बताया गया कि 8-9 अगस्त की रात रेप और मारपीट के बाद ट्रेनी डॉक्टर की गला और मुंह दबाकर हत्या हुई थी। घटना 9 अगस्त की सुबह 3 से 5 बजे के बीच होने का अनुमान है। चार पेज की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने डॉक्टर का बुरी तरह शोषण किया था।

राज्यसभा उपचुनाव

उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

- राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का बुधवार को था आखिरी दिन
- नौ राज्यों में राज्यसभा की 12 रिक्त सीटों के लिए चुनाव तीन सितंबर को होंगे

नई दिल्ली/चंडीगढ़/पटना

पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को बिहार से राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव के वास्ते अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, भाजपा नेता किरण चौधरी ने हरियाणा से पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के कुछ बागी विधायकों ने भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया। दूसरी ओर, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान से जबकि केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मध्य प्रदेश से भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया।

कुशवाहा और मिश्रा ने बिहार से नामांकन पत्र दाखिल किया

पटना स्थित बिहार विधानसभा सचिवालय में उपेंद्र कुशवाहा और मनन कुमार मिश्रा के नामांकन दाखिल करने के वक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा सहित राज्य में एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेता मौजूद थे। राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का बुधवार को आखिरी दिन था। विवेक ठाकुर (भाजपा) और मीसा भारती (राजद) के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्यसभा की रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव आवश्यक हो गया था। मिश्रा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर वाल्मीकि नगर से चुनाव लड़कर की थी पर वह हार गए थे। पांच साल बाद वह भाजपा में शामिल हो गए। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख मिश्रा ने कहा कि राज्यसभा के लिए उन्हें दिया गया यह मौका देश की करीब 25 लाख की मजबूत कानूनी बिरादरी के लिए सम्मान की बात है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख कुशवाहा ने कहा कि उच्च सदन के सदस्य के रूप में वह न्यायिक सुधारों और कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने के लिए जोर देंगे।

चंडीगढ़ से किरण चौधरी का नामांकन

चंडीगढ़ में किरण चौधरी के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, पार्टी के कई विधायक, राज्य के लिए पार्टी के सह चुनाव प्रभारी बिप्लब कुमार देब और जजपा के कुछ बागी मौजूद थे।

जॉर्ज कुरियन ने भोपाल में नामांकन पत्र दाखिल किया

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा तथा प्रदेश भाजपा प्रमुख वीडी शर्मा की मौजूदगी में राज्य विधानसभा परिसर में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आपको बता दें कि नौ राज्यों में राज्यसभा की 12 रिक्त सीटों के लिए चुनाव तीन सितंबर को होंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी जबकि उम्मीदवार 27 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान विधानसभा भवन में दाखिल किया अपना नामांकन पत्र

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान विधानसभा भवन में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और दीया कुमारी तथा संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र में तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी भरे पर्चे

मुंबई। महाराष्ट्र में राज्यसभा की दो रिक्त सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के वास्ते भाजपा के धैर्यशील पाटिल और एनसीपी के नितिन पाटिल ने बुधवार को अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके साथ दो सीट पर तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन दाखिल किया है। भाजपा ने उदयनराजे भोसले द्वारा सतारा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद रिक्त हुई सीट के लिए धैर्यशील पाटिल को उम्मीदवार बनाया है। नितिन पाटिल को उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने राज्यसभा की सीट के लिए मैदान में उतारा है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मुंबई उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। धैर्यशील पाटिल के अलावा, भोसले द्वारा खाली की गई सीट के लिए दो निर्दलीय उम्मीदवारों और दूसरी सीट से एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया है। हालांकि, महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के संख्याबल को देखते हुए नितिन और धैर्यशील की जीत तय मानी जा रही है।

दो दिवसीय दौरे पर पोलैंड पहुंचे पीएम मोदी

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को पोलैंड के वारसॉ पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी का राजधानी वारसॉ में औपचारिक स्वागत किया गया। मालूम हो कि पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली पोलैंड यात्रा है। इससे पहले साल 1979 में मोरारजी देसाई ने पोलैंड की यात्रा की थी। वारसॉ में पीएम मोदी पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी पोलैंड में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात कर सकते हैं। पोलैंड की अपनी दो दिवसीय दौरे के बाद पीएम मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी चौथी बार व्लादिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। पिछली बार 14 जून 2024 को दोनों नेताओं के बीच इटली में हुए जी7 समिट में मुलाकात हुई थी। उम्मीद जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच युद्ध समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी।

अगर सबूत दें तो जाकिर नाइक को भारत को देंगे सौंप: पीएम इब्राहिम

- साल 2017 में भारत से मलेशिया भाग गया था नाइक
- जाकिर पर नफरती भाषणों के जरिये धार्मिक कट्टरता फैलाने के आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने संकेत दिया कि उनकी सरकार विवादास्पद इस्लामी धर्म प्रचारक जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध पर विचार कर सकती है, बशर्ते कि वह उसके खिलाफ सुबूत मुहैया कराए।

सबूत मिलेंगे तो कार्रवाई जरूर होगी : पीएम अनवर इब्राहिम

बता दें कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भारत दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। एक कार्यक्रम में पीएम अनवर इब्राहिम से विवादित इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक के प्रत्यपर्ण बारे में सवाल पूछा गया। इस सवाल पर उन्होंने कहा,₹अगर नाइक के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मुहैया कराए जाएंगे तो इस पर कार्रवाई की जाएगी।₹ उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार जाकिर नाइक के मामले में सौंपे जाने वाले सभी साक्ष्यों का स्वागत करेगी। हम आतंकवाद से निपटने को लेकर भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।₹ साल 2017 में जाकिर नाइक भारत से मलेशिया भाग गया था। उस समय मलेशिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री मबातिर मोहम्मद सरकार ने उसे सरकारी संरक्षण दिया था।

धार्मिक कट्टरता फैला रहा जाकिर नाइक : आरोप

उन्होंने कहा कि वैसे मंगलवार की वार्ता के दौरान भारतीय पक्ष द्वारा इस मुद्दे को नहीं उठाया गया था। नाइक भारत का वांछित है और उस पर मनी लांड्रिंग और नफरती भाषणों के जरिये धार्मिक कट्टरता फैलाने के आरोप हैं। वह 2016 में भारत से चला गया था। महाथिर मोहम्मद के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने उसे मलेशिया में स्थायी निवास की अनुमति दी थी।

बीमारी | WHO ने दिया इंटरनेशनल इमरजेंसी करार, 3 अस्पतालों में होगा इलाज

मंकी पॉक्स को लेकर भारत में अलर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

मंकी पॉक्स के बढ़ते खतरे को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने दुनियाभर में इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी करार दे दिया है। इस बीमारी का असर 100 से अधिक देशों में देखा जा रहा है, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत भी हो चुकी है। एमपॉक्स बीमारी मंकी पॉक्स वायरस से फैलता है, जो कि किसी के संपर्क में आने से एक-दूसरे में फैलता है। हालांकि भारत में अभी तक इस बीमारी के एक भी केस नहीं पाए गए हैं, लेकिन फिर भी दिल्ली सरकार अलर्ट मोड पर है, ताकि आने वाली सभी तूफानों के लिए तैयार रहा जा सके।

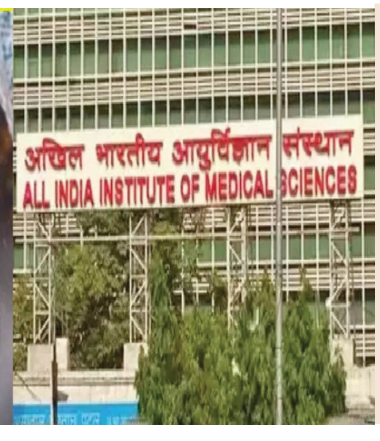

एमपॉक्स से 208 लोगों की हो चुकी है मौत

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि साल 2022 के बाद एमपॉक्स बीमारी के केस कुल 116 देशों में पाए गए हैं। अभी तक 99,176 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं और 208 लोग इस बीमारी के कारण अपनी जान भी गंवा चुके हैं। यही कारण है कि डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को लेकर इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी करार दे दिया है, ताकि सभी देश इससे निपटने के लिए पहले से तैयार रहे। दिल्ली सरकार ने इसको लेकर अपनी कमर कस ली है। दिल्ली के 3 अस्पतालों को एमपॉक्स आइसोलेशन बनाने का आदेश दिया गया है।

इन 3 अस्पतालों में होंगे आइसोलेटेड कमरे

दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने मंगलवार को ही 3 अस्पतालों को आदेश दिया कि अपने अस्पताल में एमपॉक्स आइसोलेशन रूम स्थापित करे। इन तीन अस्पतालों में एलएनजेपी, जीटीबी और बाबा साहेब अंबेडकर शामिल है, जिसमें आइसोलेशन रूम स्थापित करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा एलएनजेपी को नोडल सुविधा के रूप में रखा गया है, जबकि 2 अस्पताल स्टैंडबाय पर भी हैं। बताते चलें कि लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल है, जिसमें मरीजों के लिए कुल 20 एमपॉक्स आइसोलेटेड कमरे होंगे। इसके अलावा जीटीबी अस्पताल और बाबा साहेब अंबेडकर में 10 कमरे होंगे।

इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश HC में कई अतिरिक्त जज बने स्थायी न्यायाधीश

केंद्र ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीशों के रूप में कई अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। केंद्र द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नौ अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी कर दिया गया है।

अतिरिक्त न्यायाधीशों को किया गया स्थायी

कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालयों में अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, इस नियुक्ति से न्यायालय के भीतर सभी के पद स्थायी हो गए हैं।

इलाहाबाद HC में 9 न्यायाधीशों को किया गया स्थायी

अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायाधीश सैयद कमर हसन रिजवी, मनीष कुमार निगम, अनीश कुमार गुप्ता, नंद प्रभा शुक्ला, क्षितिज शैलेंद्र, विनोद दिवाकर, प्रशांत कुमार, मंजीव शुक्ला और अरुण कुमार सिंह देशवाल सहित कुल नौ न्यायाधीशों को इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थायी कर दिया गया है। ये सभी अतिरिक्त न्यायाधीशों के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वहीं, न्यायमूर्ति वेंकट ज्योतिर्मय प्रताप को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली गोपाल कृष्ण राव को भी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में काम कर रहे थे।